door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 34 | गुवाहाटी | शनिवार, 31 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पाकिस्तान के साथ बातचीत का युग खत्म हो चुका : जयशंकर पेज 2
गौहाटी हाईकोर्ट ने जेई पदों पर ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को नियुक्ति का दिया आदेश पेज 3
भाजपा ऐसे किसी से समझौता नहीं करेगी जिसकी सोच देश और समाज के ... पेज 5
स्टार शूटर अवनि ने जीता स्वर्ण, मोना को मिला कांस्य पदक पेज 7

असम में अब नहीं मिलेगा जुमे की नमाज का ब्रेक

- विस ने सर्वसम्मति से नियम 11 में किया संशोधन
- सादुल्लाह के दिनों से लागू नियम को किया गया समाप्त

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक बड़ा फैसला लिया। विधानसभा ने अब शुक्रवार को नमाज के लिए ब्रेक को खत्म करने के लिए नियम 11 में संशोधन कर दिया गया। इससे अब से नमाज के लिए विधानसभा में कोई ब्रेक नहीं होगा। एआईयूडीएफ के अधिकांश सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई। इस नियम की अनुपालना अगले सत्र से होगी। आज पांच दिवसीय विधानसभा का अंतिम दिन था। दरअसल, असम विधानसभा में कार्यवाही हर शुक्रवार को दिन 11.30 बजे से नमाज के लिए रोक दिया जाता था। यह नियम सैयद सादुल्लाह के दिनों से चला आ रहा था। इसको लेकर पहले भी आपत्ति जताई जाती रही है, लेकिन इसको समाप्त नहीं किया गया था। असम विधानसभा में आज अंतिम बार इस नियम के तहत विधानसभा की कार्रवाई को नमाज के लिए स्थगित किया गया। आज विधानसभा में सर्वसम्मति से नियम 11 में संशोधन कर अगली बैठकों से नमाज के नाम पर हर शुक्रवार को नमाज के लिए रुकने वाली कार्यवाही को रोकने के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया। इस नियम का अनुपालन

विधानसभा की अगली बैठक से होगा। आज पांच दिवसीय विधानसभा का अंतिम दिन था। विधानसभा में फैसले के बाद धिंग के विधायक अमीनुल इस्लाम ने विधानसभा में नमाज का समय पहले की तरह ही बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

केवल हमारी शर्तों पर होगी बातचीत : कुकी नेता

नई दिल्ली। मणिपुर के कुकी नेताओं के प्रमुख संगठन इंडीजिनस ट्रायबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र के साथ अगर कोई बातचीत होगी तो उनकी शर्तों पर होगी। संगठन ने मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह की ओर से नियुक्त

सिंह ने इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया था कि उन्होंने एक नगा विधायक डिंगांगलुंग गांगमेई को कुकी-जो और मैतेई नेताओं के साथ बाचतीचत के लिए दूत के रूप में नियुक्त किया है। गांगमेई हिल एरिया कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। दूत से किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को खारिज किया। इससे पहले गुरुवार को एन. बीरेन सिंह ने कहा था कि संवाद ही एकमात्र रास्ता है। आईटीएलएफ के प्रवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

मुसलमानों को सताने की कोशिश कर रही है सरकार : एआईयूडीएफ

गुवाहाटी। असम की हिमंत सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जुमे वाले दिन मुस्लिम विधायकों और विधानसभा के मुस्लिम कर्मचारियों को नमाज के लिए दी जाने वाली दो घंटे की छुट्टी पर रोक लगाने का फैसला किया है। अब इस फैसले पर विवाद शुरू हो गया है। एआईयूडीएफ विधायक मजीबुर रहमान ने हिमंत सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बहुत बहुत सारी सरकारें और सीएम आए लेकिन उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

आंध्र के गर्ल्स हॉस्टल में मिले खुफिया कैमरे, जांच के आदेश

अमरावती (हि.स.)। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के गुडलावल्लेरू में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में खुफिया कैमरे मिलने और वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। गुरुवार आधी रात के बाद छात्रों ने कॉलेज में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के आदेश के बाद पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। जांच की निगरानी खुद मुख्यमंत्री कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायडू ने अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा प्रवक्ता को मिली जान से मारने की धमकी, सीएम ने जताई चिंता

नई दिल्ली। मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और थाडौ समुदाय के नेता माइकल लामजांथांग हाओकिप के घर पर हाल ही हमला हुआ था। करीब दो दर्जन लोगों पर उनके घर के एक हिस्से को जलाने और हवा में गोलियां चलाने का आरोप है। इस मामले को लेकर माइकल लामजांथांग हाओकिप ने एफआईआर भी दर्ज करवाई है। एफआईआर में उन्होंने 15 लोगों को जिम्मेदार ठहराया है, जिन्होंने उनके परिवार पर हमले किए। भाजपा प्रवक्ता ने आगे आरोप लगाया कि दो लोगों ने कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

शत्रु की बुरी आदतों को सुनकर कानों को सुख मिलता है।
- आचार्य चाणक्य

मेघालय में मिला बांग्लादेशी नेता के शव

सरकार ने उच्च स्तरीय जांच करने से किया इनकार

शिलांग (हि.स.)। बांग्लादेश के फिरोजपुर और शेख हसीना सरकार के प्रभावशाली नेता इसाक अली खान पान्ना का मे शव मिलने को लेकर मेघालय ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में उच्चस्तरीय एजेंसी से जांच कराने से इनकार कर दिया है। मेघालय के उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश के अवामी लीग के नेता इसाक अली खान पान्ना की मौत और शव की बरामदगी मामले की जांच किसी भी उच्च स्तरीय एजेंसी या -शेष पृष्ठ दो पर

सीमावर्ती राज्यों ने असम के 82,751.8618 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण किया : बोरा

गुवाहाटी। पड़ोसी राज्यों के साथ असम का सीमा विवाद लंबे समय से एक जटिल मुद्दा रहा है। असम सरकार के सीमा सुरक्षा और विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पड़ोसी राज्यों ने अब तक असम की कुल 82,751.8618 हेक्टेयर

भूमि पर अतिक्रमण किया है। अतिक्रमण करने वाले राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड शामिल हैं। इस संबंध में असम के सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने शुक्रवार को संपन्न विधानसभा के शरदकालीन सत्र के दौरान सदन में यह जानकारी दी। अतुल बोरा ने असम विधानसभा में बताया कि चारों सीमावर्ती राज्यों ने अब तक असम की 82,751.8618 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश ने 16,144.0117 हेक्टेयर, नगालैंड 59,490.21 हेक्टेयर, मेघालय 3,441.8601 और मिजोरम ने 3,675.78 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण किया है। मंत्री अतुल बोरा ने -शेष पृष्ठ दो पर

एनएचआरसी ने कोलकाता पुलिस को नोटिस जारी किया

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने शुक्रवार को कोलकाता पुलिस को नोटिस जारी कर 27 अगस्त को *नवान्न अभियान* के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस के बल प्रयोग पर स्पष्टीकरण मांगा है। यह अभियान आरजी कर मेडिकल

कॉलेज एवं अस्पताल की महिला जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के विरोध में चलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक एनएचआरसी ने कोलकाता पुलिस से अगले 14 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग का मानना है कि सोशल मीडिया पर छात्रों के एक समूह द्वारा बुलाए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अमेरिका नए मार्ग पर चलने को तैयार : कमला

वाशिंगटन (हि.स.)। राष्ट्रपति चुनाव की गहमागहमी के बीच पहली अश्वेत और दक्षिण एशियाई मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने गुरुवार को एक साक्षात्कार में अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका नए मार्ग पर चलने और डोनाल्ड ट्रंप को भूलने के लिए तैयार है। ट्रंप चुनाव में ऐसा माहौल -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव से सबक, आरएसएस की बैठक में शामिल होने केरल पहुंचे जेपी नड्डा

तालमेल बढ़ाने पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। केरल के पलक्कड़ में शनिवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय बैठक में आरएसएस और अनुषांगिक संगठनों के बीच समन्वय बढ़ाने पर विशेष चर्चा होगी। बैठक की जानकारी देते हुए आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि संगठनों के बीच औपचारिक और अनौपचारिक दोनों स्तरों पर समन्वय बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। ध्यान देने की बात है कि लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के पीछे आरएसएस और भाजपा के बीच समन्वय की कमी को भी एक कारण माना जा रहा था। लोकसभा चुनाव के बाद समन्वय को लेकर हो रही बैठक को अहम माना जा रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

और राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष भाजपा की ओर से बैठक में हिस्सा लेने पहुंच गए हैं। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत समेत 32 से अधिक अनुषांगिक संगठनों से जुड़े 320 प्रतिनिधि बैठक में मौजूद होंगे। सुनील आंबेकर के अनुसार बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं के -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन भाजपा में शामिल

रांची (हि.स.)। केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चम्पाई सोरेन ने झारखंड के निर्माण के लिए अपनी जिंदगी और जवानी खपा दी। राज्य की जनता की सेवा में दिन रात एक कर दी। ऐसे ही लोगों के परिश्रम का परिणाम है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग झारखंड का निर्माण किया। शिवराज ने कहा कि चम्पाई सोरेन एक ऐसे नेता हैं, जो जीवन भर झारखंड के लिए लड़े और समर्पित भाव से जनता की सेवा की। झारखंड को बचाने के लिए, माता बहनों के सम्मान की रक्षा के लिए इन्होंने भाजपा के साथ आने का निर्णय लिया है। उनके आने से निश्चित तौर पर पार्टी को ताकत और ऊर्जा मिलेगी। ऐसे नेता चम्पाई सोरेन और उनके साथियों का भारतीय जनता पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ मुसलमानों का मामला, दखल ना दे सरकार : जमीयत उलेमा

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक पर शुक्रवार को संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की दूसरी बैठक हुई। इसमें मुस्लिम संगठनों के विचार जाने गए। इसमें ऑल इंडिया सुन्नी जमीयत उलेमा ने बिल का किया विरोध। उलेमा ने कहा कि हमें संशोधन मंजूर नहीं है। वक्फ मुसलमानों का मामला है। सरकार दखल ना दे।

इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राइट्स संस्था ने भी जेपीसी के सामने संशोधन का विरोध किया। संस्था के अध्यक्ष पूर्व सांसद मोहम्मद अदीब हैं। संस्था ने वक्फ संशोधन के मामले को मुसलमानों के मामले में दखलंदाजी बताया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली समिति ने विधेयक के व्यापक प्रभावों को देखते हुए आम जनता, गैर सरकारी संगठनों, विशेषज्ञों, हितधारकों और संस्थानों से विशेष रूप से विचार मांगे हैं। अगले 15 दिनों के भीतर लोगों से -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी ने लंबे समय तक सत्ता में बने रहने का दिया संकेत, कहा–

दसवें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को भी संबोधित करने आऊंगा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) को संबोधित करते हुए संकेत दिए कि उनका इरादा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने का है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह पांचवां ग्लोबल फिनटेक फेस्ट है। मैं दसवें फिनटेक फेस्ट को संबोधित करने के लिए भी यहां आऊंगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का फिनटेक इकोसिस्टम भारत के लोगों को गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली प्रदान करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने

कहा कि मुझे विश्वास है कि भारत का फिनटेक इकोसिस्टम पूरी दुनिया के जीवन को आसान बनाएगा। हमारा सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। देश में फिनटेक उद्योग द्वारा लाए गए बदलावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने न केवल भारत के तकनीकी मोर्चे को बदल दिया गया है, बल्कि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई को पाटकर व्यापक सामाजिक प्रभाव भी डाला है। मोदी ने आगे बताया कि वही बैंकिंग सेवाएं जो पहले पूरा दिन ले लेती थीं और किसानों और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाकिस्तान के साथ बातचीत का युग खत्म हो चुका : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को पड़ोसी देश के साथ भारत के संबंधों के बारे में खुलकर बात की। राजदूत राजीव सीकरी की नई पुस्तक *स्ट्रैटेजिक कनड्रम्स : रीशेपिंग इंडियाज फॉरेन पॉलिसी* के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध वार्ता का युग समाप्त हो चुका है। एस जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग खत्म हो गया है। कार्रवाई के परिणाम होते हैं। और जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, मुझे लगता है कि अनुच्छेद 370 खत्म हो गया है। तो, आज मुद्दा यह है कि किस तरह का क्या हम संभवत: पाकिस्तान के साथ संबंध पर विचार कर सकते हैं? राजीव सीकरी ने सुझाव दिया है कि शायद भारत वर्तमान स्तर पर संबंध जारी रखने के लिए संतुष्ट है, शायद नहीं... हम निष्क्रिय नहीं हैं सकारात्मक या नकारात्मक दिशा, किसी भी तरह से, हम इस पर प्रतिक्रिया देंगे। जयशंकर ने कहा कि अफगानिस्तान के साथ दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है, वहां लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। वास्तव में, सामाजिक स्तर पर भारत के लिए एक निश्चित सद्भावना है। लेकिन जब हम अफगानिस्तान को देखते हैं, तो मुझे लगता है कि शासन कला की बुनियादी बातों को नहीं भूलना चाहिए। यहां अंतर्राष्ट्रीय संबंध काम कर रहे हैं। इसलिए जब हम आज अपनी अफगान नीति की समीक्षा करते हैं, तो मुझे लगता है कि हम अपने हितों के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। हम अपने सामने मौजूद *विरासत में मिली समझदारी* से भ्रमित नहीं हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिकी सेना की मौजूदगी वाला अफगानिस्तान अमेरिका की मौजूदगी के बिना वाले अफगानिस्तान से बहुत अलग है। जयशंकर ने कहा कि हमें यह समझना चाहिए कि हमारे लिए अमेरिका की मौजूदगी वाला अफगानिस्तान अमेरिका की मौजूदगी के बिना वाले अफगानिस्तान से बहुत अलग है। जयशंकर ने कहा कि भारत को बांग्लादेश के साथ आपसी हितों का आधार तलाशना होगा और भारत *वर्तमान सरकार* से इस संबंध में बातचीत करेगा।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह हादसा उस समय हुआ, जब वह दुकान से सामान लेकर लौट रहा था। मृतक की पहचान इस्लामपट्टी के धन अली (50) के रूप में हुई है। घटना गोलाघाट के इस्लामपट्टी में रेलवे नंबर 2 के पास हुई। बीजी एक्सप्रेस अप ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हुई। मृतक धन अली के परिवार में पत्नी और एक बेटी है।

अलग-लग जगहो से हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस ने हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मोरीगांव पुलिस ने एक आरोपी अफरीद ठाकुरिया को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 6.9 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। उधर जोरहाट में सुरक्षा बलों ने हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि टीएसआई नव ज्योति दास, एसआई किरण गोगोई, आईसी सिनामारा और जोरहाट थाना के नेतृत्व में एक टीम ने सिनामारा क्षेत्र में सफलतापूर्वक नाकाबंदी की। इस दौरान 10.48 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई और एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

रोजगार नहीं दिला सके तो कम से कम शव तो वापस ला दो : सुरजेवाला

कैथल (हिंस)। कैथल के गांव बंदराना के रहने वाले युवक की बेलारूस में मौत हो गई है। युवक की मौत के मामले में 22 अगस्त को बेलारूस के दूतावास से सूचना मिली कि विशाल नाम के युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई है। युवक का शव बेलारूस में ही है। जिसके बाद दूतावास ने परिवार को सूचना दी कि यदि शव को वापस नहीं मंगवाया गया, तो बेलारूस सरकार शव का अंतिम संस्कार कर देगी। इसके बाद, स्थानीय पुलिस ने विशाल के घर जाकर इस बात की पुष्टि की कि वह इसी गांव का निवासी है। इसके बाद परिजनों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि विशाल के शव को वापस लाया जाए और उसकी मौत की जांच की जाए। परिजनों का कहना है कि विशाल ने 6 अगस्त को फोन किया था और बताया था कि उसकी टांग में चोट लगी है और वह भारत वापस आना चाहता है। उसने अपने एजेंट से उसे वापस भारत भेजने की अपील भी की थी। हालांकि, एजेंट ने ऐसा नहीं किया और 7 अगस्त से परिवार का संपर्क भी युवक से नहीं हो पाया। कैथल के एसपी राजेश कालिया ने बताया कि उन्हें युवक की मौत की सूचना मिली थी। इस संबंध में उसके परिजनों ने उनसे मुलाकात भीकी थी। वह एजेंट के माध्यम से बेलारूस गया था। किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई है और किसी एजेंट के माध्यम से वह विदेश गया था यह जांच का विषय है।

विवाहेतर संबंध के शक में पति ने काट दिए पत्नी के दोनों हाथ

कछार (हिंस)। कछार जिलांतर्गत धलाई के जमालपुर में गुरुवार रात विवाहेत्तर संबंध होने के शक मे एक पति ने अपनी पत्नी के दोनों हाथ काट दिए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति फरार हो गया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि रफीकउद्दीन और उसकी पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई होती रहती थी। रफीकउद्दीन को शक था कि उसकी पत्नी के किसी दूसरे से अवैध संबंध है। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। बीती रात इस मुद्दे को लेकर दोनों के बीच एक बार फिर से जमकर झगड़ा हुआ। झगड़े के बीच में रफीक उद्दीन ने पत्नी पर वार कर दिया और उसके दोनों हाथ कट गए। घटना के बाद आरोपी रफीक अपनी पत्नी को लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गया। घटना के बारे में पता चलने पर पड़ोसियों ने मूर्छित अवस्था में महिला को सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल पहुंचाया। महिला की हालत गंभीर होने के कारण उसे गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

वाहन से 16 बोरी बर्मीज सुपारी जब्त

गोलाघाट (हिंस)। पुलिस ने गुरुवार रात को मेरापानी में अवैध रूप से बर्मीज (म्यांमार) सुपारी ले जा रहे एक वाहन को पकड़ लिया। पुलिस ने उस वाहन पर लदी 16 बोरी अवैध सुपारी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार वाहन चालक सहित दो लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस के अनुसार नगालैंड से गुप्त मार्ग से 16 बोरी अवैध सुपारी ले जा रहे वाहन का पुलिस ने पीछा किया और बीती मध्य रात्रि स्थानीय इस्लामपुर गांव में उस वाहन को पकड़ लिया। इसी बीच अंधेरे का फायदा उठाकर चालक और एक अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहन से अवैध रूप से ले जाई जा रही 16 बोरी सुपारी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार जब्त सुपारी का बाजार मूल्य पांच लाख रुपए से अधिक होने का अनुमान है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया और मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रशासन ने 20 बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया

गुवाहाटी (हिंस)। शहर के जालुकबारी में आज अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया। रेलवे विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा आज सुबह से ही एक घंटे तक यह अभियान चलाया गया। ज्ञात हो कि पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने असम सरकार को जालुकबाड़ी में यह 20 बीघा जमीन दी थी। रेलवे की इस भूमि पर लोगों के एक वर्ग ने कब्जा कर रखा था। बार-बार चेतावनी के बावजूद लोग जमीन को खाली नहीं कर रहे थे।

नाबालिग से बलात्कार मामले में 20 साल की सजा

धेमाजी (हिंस)। स्थानीय जिला कोर्ट ने नाबालिग से बलात्कार मामले में आरोपी संजय कर्मकार को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड सुनाया है। जनवरी 2024 में जोनाई के शांतिपुर ऑकलैंड गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार की घटना पर शुक्रवार को धेमाजी जिला जज कौशिक हजारिका की कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने नाबालिग से बलात्कार के मामले में आरोपी संजय कर्मकार को 20 साल की सजा सुनाई और 10 हजार रुपए रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। कोर्ट में अभियोजन पक्ष की ओर से अधिवक्ता अजय फोगालाई ने पैरवी की थी। पिछले डेढ़ महीने में धेमाजी जिला न्यायाधीश की कोर्ट का यह चौथा बड़ा फैसला है। इन सभी मामलों में जिला जज की कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपितों को सख्त सजा सुनाई है।

पृष्ठ एक का शेष

असम में अब नहीं...

भाजपा विधायकों का एक वर्ग मुसलमानों को नमाज नहीं पढ़ने देना चाहता है। इसका उद्देश्य भाजपा विधायकों के लिए असहिष्णुता का माहौल बनाना है। विधायक वाजिद अली चौधरी ने भी सरकार के इस फैसले का विरोध किया। इस निर्णय पर एआईयूडीएफ के अधिकांश विधायकों ने अपनी आपत्ति जताई। कुछ विधायकों का कहना था कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं, दूसरी सर्वसम्मति निर्णय को लेकर पूछे जाने पर कांग्रेस के विधायक रेकीबुद्दीन अहमद ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन अगर ऐसा हुआ है तो यह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष से इस बारे में पूछेंगे और इस व्यवस्था को फिर से बहाल रखने की अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि वे तीसरी बार विधायक चुने गए हैं और तीनों कार्यकाल के दौरान शुक्रवार को नमाज के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थागित की जाती रही है। इस बीच सत्ताधारी दल के विधायकों का कहना था कि देश की किसी भी विधानसभा में इस तरह की कोई प्रक्रिया नहीं है। सवाल उठता है कि यहां पर ऐसी परंपरा क्यों शुरू की गयी। कुछ विधायकों ने इसको तुष्टीकरण की राजनीति से जोड़कर बताया कि यह सिर्फ वोट बैंक की घृणित राजनीति है। उन्होंने कहा कि नमाज पढ़ने के लिए किसी को भी कोई रोक नहीं है। जिसे नमाज पढ़ना है, वह पढ़ सकता है, जिसे नहीं पढ़ना है वह सदन की कार्यवाही में हिस्सा ले सकता है। केवल कुछ लोगों के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करना सार्वजनिक धन की बर्बादी है।

मुसलमानों को सताने ...

एआईयूडीएफ विधायक मजीबुर रहमान ने सरकार के फैसले पर कहा कि हर शुक्रवार हमें प्रार्थना के लिए एक या दो घंटे मिलते थे। यह 1936 से लगभग 90 साल बीत चुके हैं। बहुत सारी सरकारें और सीएम आए लेकिन उन्हें कोई समस्या नहीं हुई, लेकिन हमें नहीं पता कि वर्तमान सीएम हिमंत विश्व शर्मा को क्या समस्या है, वह मुसलमानों के लिए सदन की परंपरा तोड़कर क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? मजीबुर रहमान ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि आपको विधानसभा में धर्मनिरपेक्षता बनाए रखनी चाहिए। हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक आस्था का पालन करने का अधिकार है। आपने हमारा दिल तोड़ा है। आप विधानसभा में (कैंटीन) सूअर का मांस भी रखते हैं। हमारी भावनाएं आहत हुई हैं। आप सूअर का मांस क्यों रख रहे हैं? आप सब कुछ हटाने की कोशिश कर रहे हैं। आपने मुस्लिम विवाह और तलाक को भी हटा दिया है। आप आज सीएम हैं लेकिन जल्द ही 5 साल बीत जाएंगे। आपको अगले के बारे में सोचना चाहिए। आपको सभी को समान रूप से देखना चाहिए। पूरा देश आपको देख रहा है और लोग अब आपसे नफरत कर रहे हैं। मजीबुर रहमान ने कहा कि हम उस समय (नमाज) विधानसभा में नहीं रहेंगे, आप हमें नमाज पढ़ने से नहीं रोक सकते। उन्होंने कहा कि हम (विधानसभा) के अंदर भी ऐसा कर सकते हैं, लोग आपसे नाराज हो रहे हैं। रहमान ने कहा कि आप उकसाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन एक दिन आपको चिंता होगी कि आप कैसे गिरे।

केवल हमारी शर्तों ...

गिंजा वुअलजोंग ने कहा कि हम मुलाकात कर सकते हैं। लेकिन यह बातचीत हमारी शर्तों पर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुकी-जो समुदाय केवल केंद्र सरकार से ही बातचीत करेगा। वुअलजोंग ने कहा कि हमारे लिए केवल मैतई (मणिपुर) सरकार से अलग होना एकमात्र समाधान है। हम उस सरकार के अधीन नहीं रह सकते, जिसने हमें मारा। हमें भगा दिया और हमारी संपत्तियों और पूजा स्थलों को जलाया। आईटीएलएफ के इस दृष्टिकोण से पता चलता है कि कुकी-जो समुदाय, मणिपुर सरकार और मैतई समुदाय के बीच दूरी कितनी बढ़ गई है। पिछले साल मई में शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 220 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों परिवार विस्थापित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बातचीत में कहा था कि उन्हें भरोसा है कि अगले पांच-छह महीनों में शांति और सुलह बहाल हो जाएगी। जिसमें केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और जातीय सामंजस्य को अंतिम रूप देगा। इसके जवाब में वुअलजोंग ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुकी-जो नागरिक समाज संगठन राज्य सरकार पर भरोसा नहीं करते हैं। उन्होंने एक 48 मिनट की ऑडियो रिकॉर्डिंग का हवाला दिया, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त न्यायिक समिति के सामने पेश किया गया था। ऑडियो में सिंह को कथित तौर पर कुकी बाहुल्य इलाकों पर बमबामी करने की बात करते सुने गए। हालांकि, मणिपुर सरकार ने इस रिकॉर्डिंग पर संदेह जताया है।

आंध्र के गर्ल्स हॉस्टल ...

को निर्देश दिया है कि वे घटना की जांच के संबंध में हर तीन घंटे में एक बार उन्हें रिपोर्ट करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खुफिया कैमरे से वीडियो फिल्माए जाने के मामले में दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। हम गंभीरता से सच्चाई का पता लगाना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कॉलेज प्रबंधन और अधिकारी लापरवाही बरतेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी छात्र को निराश नहीं होना चाहिए और उनके परिजनों को भी चिंता नहीं करनी चाहिए। सरकार उचित कदम उठाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने जिले के अधिकारियों, मंत्री कोल्लू रवींद्र और जिले के विधायकों को कॉलेज जा कर हालात का जायजा लेने का आदेश दिया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस मामले में इजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र विजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसका लैपटॉप और सेल फोन भी जब्त कर लिया गया है। कई छात्र दूसरे छात्रों पर कैमरा सेट करने में विजय की मदद करने का आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता को मिली ...

लोगों को उन्हें मारने के लिए कहा था। एफआईआर में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि उनकी हत्या करने वाले को गांव की जमीन देने का वादा किया गया था। माइकल लामजांथांग हाओकिप ने व्हाट्सएप ग्रुप चैट के कथित स्क्रीनशॉट भी पेश किए हैं, जिसमें कुछ लोगों ने कहा कि मैं वादा करता हूं कि अगर कोई लमजाथांग को मारता है तो मैं अपने गांव की जमीन दे दूंगा। इस घटना पर मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मणिपुर की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक थाडू समुदाय के नेता माइकल लामजाथांग के परिवार के सदस्यों और भाजपा प्रवक्ता पर उनके घर में तोड़फोड़ करके किया गया हमला कायरतापूर्ण कृत्य है। मैं हमारी मान्यता प्राप्त जनजातियों में से एक को व्यक्तिगत रूप से नुकसान पहुंचाने को राज्य की एकता और अखंडता पर सीधी चुनौती मानता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि मणिपुर की मान्यता प्राप्त जनजातियों के किसी विशेष समुदाय पर हमले और भाजपा प्रवक्ता के परिवार पर हमले की कड़े शब्दों में निंदा की जाती है। हम दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। हाओकिप ने कहा कि मणिपुर में जातीय तनाव के बीच अपने जनजाति थाडौ को कुकी जनजाति के रूप में गलत तरीके से संदर्भित किए जाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने की वजह से उन्हें धमकियां मिली है। एक तथाकथित संगठन टीटीसी, हाओकिप की थाडौ जनजाति के कुकी का हिस्सा न होने संबंधी टिप्पणियों की निंदा कर रहा है।

सरकार ने उच्च स्तरीय ...

एनआईए से कराने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि शव की बरामदगी के बारे में बांग्लादेश उच्चायोग को सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के नेता की मौत के कारणों का पता फॉरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा। इसाक के शव मिलने के बाद मेघालय पुलिस ने घटना के सिलसिले में बांग्लादेश के उच्चायुक्त से संपर्क किया है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में भयावह हालात के बीच मेघालय में उन्कियांग में 26 अगस्त की शाम को तमोल बाग में क्षतविक्षत शव मिला था। बाद में नेता की पहचान अवामी लीग के इसाक अली खान पान्ना के रूप में हुई। इसाक बांग्लादेश के फिरोजपुर में शेख हसीना सरकार के प्रभावशाली नेता थे। बांग्लादेश छात्र विद्रोह के दौरान इसाक लापता हो गए थे। उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका। उधर मेघालय में मिले अवामी लीग के नेता इशाक अली खान पन्ना के शव के पोस्टमार्टम के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि अवामी लीग के नेता की गला घोंटकर हत्या की गई थी। उसके सिर पर चोट निशान थे। साथ ही सांस की नली दबी हुई थी। बांग्लादेश सीमा से लगे मेघालय के जैंतिया हिल्स जिले में सुपारी के बगान से अवामी लीग के एक नेता इशाक अली खान पन्ना का शव मिला था। मेघालय पुलिस ने भारत-बांग्लादेश सीमा से 1.5 किमी की दूरी पर 26 अगस्त को शव बरामद किया था। एसपी गिरि प्रसाद ने बताया था कि इशाक अली खान पन्ना को उनके पासपोर्ट के जरिये पहचाना गया था। पन्ना पांच अगस्त को शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से ही भाग रहे थे। उनके शव को ख्लेहरियत सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। रिपोर्ट में बताया गया था कि सीमा पार करने की कोशिश के दौरान पन्ना को कार्डियक अरेस्ट हुआ होगा, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं कुछ का मानना है कि वह बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ गोली बारी में शामिल था। शव का पोस्टमार्टम कराया गया। एक अधिकारी ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में पन्ना की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि हुई है। उसकी सांस की नली को दबाया गया था। हालांकि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में भी शव की जांच हो रही है। उसकी रिपोर्ट में अधिक तथ्य सामने आएंगे। मृतक शरीर पर घाव और माथे पर चोट के निशान थे। इससे पता चलता है कि मरने से ठीक पहले उसने संघर्ष किया था। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सरकार पन्ना के परिवार के सदस्यों के उचित राजनयिक माध्यम से संपर्क करने का इंतजार कर रही है। ताकि शव उन्हें सौंपा जा सके। मेघालय पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

सीमावर्ती राज्यों ने असम ...

आगे बताया कि असम सरकार ने पिछले तीन साल में सीमा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। असम पुलिस के पुलिस अधीक्षकों (सीमा) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले तीन साल में असम सरकार ने सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बॉर्डर पर पुलिस कमांडो तैनात करने के साथ-साथ कई सीमा पुलिस गश्ती शिविर स्थापित किए हैं। इनमें से 38 कमांडो असम-अरुणाचल सीमा पर लखीमपुर के दुलुंग वन क्षेत्र में तैनात हैं और नए कैंप बनाने की तैयारी चल रही है। असम सरकार ने मिजोरम की सीमा साझा करने वाले कछार जिले में आठ सीमा चौकियां, और मेघालय से सटे पश्चिम कार्बी आंग्लांग की सीमा पर 6 सीमा चौकियां स्थापित की हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने बराक घाटी के करीमगंज में मिजोरम सीमा पर अस्थायी रूप से दो कैंप स्थापित किए हैं। ऊपरी असम के शिवसागर जिले में नगालैंड सीमा पर सात सीमा चौकियां और कमांडो बल तैनात किए गए हैं। बराक के हैलाकांदी जिले में मिजोरम सीमा पर चार अस्थायी सीमा पुलिस चौकियां भी स्थापित की गई हैं और एक स्थायी कमांडो बटालियन कैंप बनाया किया गया है। इसी तरह पहाड़ी जिले डीमा-हसाउ में नगालैंड सीमा पर चार नई सीमा चौकियां बनाई की गई हैं। बराक के हैलाकांदी जिले में भी मिजोरम सीमा पर चार अस्थायी सीमा पुलिस चौकियां भी बनाई की गई हैं और एक स्थायी कमांडो बटालियन कैंप स्थापित किया गया है। इसी तरह पहाड़ी जिले डीमा-हसाउ में नगालैंड सीमा पर चार नई सीमा चौकियां स्थापित की गई हैं। गौरतलब है कि असम सरकार के पास पिछले पांच सालों में असम के पड़ोसी राज्यों द्वारा भूमि पर किए गए अतिक्रमण और फिर से कब्जा की गई भूमि के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं है। असम सरकार ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ नरमी से बातचीत जारी रखी है। 2021 में गठित मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सरकार की पहल पर असम में सीमा विवादों को सुलझाने के लिए विभिन्न स्तरों पर बातचीत की प्रक्रिया चल रही है। बोरा ने सदन को बताया कि पड़ोसी राज्य के साथ विवादित सीमा क्षेत्रों में विवादों को सुलझाने के लिए 12 क्षेत्रीय समितियों का गठन कर काम किया जा रहा है। ये समितियां विवादित सीमा क्षेत्रों का संयुक्त दौरा कर बातचीत की प्रक्रिया को अंजाम दे रही हैं। इसके अलावा असम के मंत्री अतुल बोरा ने सदन को बताया कि अरुणाचल प्रदेश द्वारा अपना दावा किए जाने वाले 123 गांवों के संबंध में 20 अप्रैल, 2023 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। परिणामस्वरूप, असम अरुणाचल के 71 गांवों में विवाद सुलझ गए। बोरा ने कहा कि विवाद सुलझने वाले गांवों का सीमांकन केंद्र सरकार द्वारा किया जाता रहेगा, जबकि शेष 52 गांवों के लिए बातचीत की प्रक्रिया जारी रहेगी।

एनएचआरसी ने कोलकाता...

गए नवान्न अभियान में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई ने मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है। इस बीच, इस अभियान का आह्वान करने वालों में से एक सायन लाहिरी ने शुक्रवार को अपने वकील के माध्यम से कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और अपनी रिहाई की मांग की है। उनके वकील ने अपनी याचिका में शहर पुलिस पर उनके मुवक्किल को झूठे आरोपों में गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि 27 अगस्त की दोपहर को हावड़ा समेत पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्से पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों के बाद युद्धक्षेत्र में बदल गए थे। राज्य सचिवालय ने पुलिस को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करने को कहा था। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस संबंध में कुल 220 गिरफ्तारियां की गईं। इसके अलावा अभियान से पहले 25 लोगों को एहतियात के तौर पर गिरफ्तार किया गया था। शहर पुलिस ने कहा था कि अगर ये एहतियातन गिरफ्तारियां नहीं की जातीं तो स्थिति और खराब हो सकती थी।

लोस चुनाव से सबक...

साथ हो रही हिंसा के साथ-साथ सभी समसामयिक मुद्दों और घटनाओं पर चर्चा होगी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उन पर अपनी-अपनी राय देंगे। इन मुद्दों पर पूरे संघ परिवार के एकजुट होकर काम करने की रणनीति पर भी चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक में पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के बाद उत्पन्न स्थिति पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या और उससे स्थानीय लोगों के सामने बढ़ती चुनौतियां भी चर्चा के विषय में होगी। वहीं आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा और आरएसएस के खिलाफ विपक्ष के दुष्प्रचार और उसके काट पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। सुनील आंबेकर ने कहा कि तीन दिन की चर्चा में उठे विषयों के बारे में सोमवार को विस्तार से बताया जाएगा। बैठक के दौरान संगठन अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे काम के अनुभवों को भी साझा करेंगे। सुनील आंबेकर ने कहा कि स्वाधीनता के 75 साल बाद अब औपनिवेशिक प्रतीकों और मानसिकता से पूरी तरह से स्वतंत्रता का समय आ गया है और यह सभी नागरिकों का कर्तव्य है। ध्यान देने की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले साल लालकिले से अपने भाषण में गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति का आह्वान किया था। 2025 में आरएसएस की स्थापना का शताब्दी वर्ष शुरू होने जा रहा है। इस दौरान आरएसएस और उसके आनुषंगिक संगठनों के कार्यक्रमों और विस्तार पर भी चर्चा होगी।

झारखंड के पूर्व ...

में स्वागत और अभिनंदन है। चौहान शुक्रवार को रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने हजारों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। शिवराज सिंह चौहान, हिमंत विश्व शर्मा, बाबूलाल मरांडी ने इन्हें सदस्यता दिलाई। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झारखंड देश में एक ऐसा प्रदेश है, जहां के मुख्यमंत्री ही अपने मंत्री के पीछे जासूस लगाते हैं। हेमंत सोरेन सरकार ने कहा कि सिक्योरिटी की वजह से ऐसा किया गया था तो सवाल है कि सिक्योरिटी वाले पुलिस के हाथ में बंदूक क्यों नहीं था। चम्पाई सोरेन झारखंड आंदोलन के नेता हैं और शिबू सोरेन के साथ इन्होंने संघर्ष किया है। इनकी जासूसी कराना शर्मनाक है। हिमंत ने कहा कि चम्पाई सोरेन की जासूसी पिछले छह महीने से कराई जा रही है। इससे संबंधित मेरे पास सबूत है। भाजपा की सरकार आने पर इस जासूसी प्रकरण का सारा हिसाब-किताब किया जाएगा। आईजी प्रभात कुमार से भी इसका हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चम्पाई सोरेन को सम्मान दिया है और हमेशा सम्मान दिया जाएगा। बाबूलाल मरांडी और अर्जुन मुंडा के साथ मिलकर चम्पाई झारखंड के विकास और उत्थान के लिए काम करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस प्रदेश में साढ़े चार वर्षों में जिस प्रकार से हेमंत सरकार ने काम किया है, वह किसी से छुपा नहीं है। हर मोर्चे पर हेमंत सरकार फिसड्डी साबित हुई है। जेएमएम के लोग और विधायक भी इस सरकार में अपमानित महसूस कर रहे हैं। जेएमएम के विधायक से बात होती है तो वे लोग कहते हैं कि बड़ा अपमानित महसूस कर रहे हैं। वे लोग कहते हैं कि हम लोग का कोई वजूद ही नहीं रह गया है। इस सरकार में दलाल बिचौलियों, भ्रष्ट अफसरों की पूछ है।

वक्फ मुसलमानों का...

लिखित में सुझाव साझा करने को कहा गया है। इसमें कहा गया है कि समिति को सौंपे गए ज्ञापन और सुझाव, समिति के रिकॉर्ड का हिस्सा होंगे। उन्हें गोपनीय माना जाएगा। विधेयक को 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था। चर्चा के बाद संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया था। लोकसभा में बिल पेश करते हुए सरकार की ओर से कहा गया था कि प्रस्तावित कानून से मस्जिदों के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं होगा। विपक्ष ने इसे मुसलमानों को निशाना बनाने के लिए उठाया गया कदम और संविधान पर हमला बताया था। इस महीने की शुरुआत में जेपीसी की पहली बैठक हुई थी। इसमें कई विपक्षी सांसदों ने प्रस्तावित कानून के प्रावधानों पर आपत्ति जताई थी। पहली बैठक में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से एक प्रेजेंटेशन भी दी गई थी। बैठक में कई बार तीखी बहस हुई थी। हालांकि विभिन्न दलों के सदस्यों ने विधेयक के प्रावधानों पर अपने सुझाव दिए और स्पष्टीकरण मांगा।

दसवें ग्लोबल फिनटेक...

बाधाएं पैदा करती थीं, अब फिनटेक की मदद से मोबाइल फोन पर आसानी से उपलब्ध हैं। वित्तीय सेवाओं के लोकतंत्रीकरण में फिनटेक की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने आसानी से उपलब्ध ऋण, क्रेडिट कार्ड, निवेश और बीमा के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि फिनटेक ने ऋण तक पहुंच को आसान और समावेशी बना दिया है। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना का उदाहरण दिया, जिसने स्ट्रीट वेंडर्स को बिना किसी जमानत के ऋण प्राप्त करने और डिजिटल लेनदेन की मदद से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाया है। उन्होंने शेयर बाजारों और म्यूचुअल फंड, निवेश रिपोर्ट और डीमैट खाते खोलने की आसान पहुंच का भी उल्लेख किया। डिजिटल इंडिया के उदय का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूरस्थ स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल शिक्षा और कौशल सीखने जैसी सेवाएं फिनटेक के बिना संभव नहीं होंगी। मोदी ने कहा कि भारत की फिनटेक क्रांति जीवन की गरिमा और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि मुझे देश के फिनटेक इकोसिस्टम पर भरोसा है और यह भारतीयों को गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करेगा। उन्होंने भारत में फिनटेक क्षेत्र की महत्वपूर्ण वृद्धि पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में फिनटेक स्पेस में 31 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ है। 10 साल में हमारे फिनटेक स्टार्टअप में 500 प्रतिशत वृद्धि हुई है। कोरोना के दौरान पूरे वर्ष 24×7 बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए फिनटेक स्टार्टअप्स को श्रेय देते हुए मोदी ने उनसे आग्रह किया कि वे पूरी दुनिया को अधिक आसानी से व्यापार करने में मदद करें और इस प्रकार पूरी दुनिया को बेहतर जीवन जीने में मदद करें। मोदी ने फिनटेक क्रांति की सराहना करते हुए कहा कि इसने न केवल अधिक लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाया है, बल्कि लोगों के लिए सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में भी वृद्धि की है।

अमेरिका नए मार्ग पर ...

बना रहे हैं, जो अमेरिकी चरित्र को कमजोर कर रहा है। डोनाल्ड अमेरिका को बांट रहे हैं। कमला हैरिस से पूछा गया कि ट्रंप अकसर आपको अति उदारवादी नेता बताते हैं, इस पर आपकी राय क्या है? उन्होंने कहा कि मैं मध्यमार्गी हूं। अवैध आव्रजन पर मेरा रुख सख्त रहेगा। विवादित तेल गैस फ्रैकिंग तकनीक का वह समर्थन करती हैं और करती रहेंगी। वह अपने उदार मूल्यों को कभी नहीं छोड़ेंगी। कमला हैरिस ने साक्षात्कार में गाजा में युद्धविराम का समर्थन करते हुए कहा कि वह इजराइल का समर्थन करेंगी। साथ ही इजराइल को हथियारों की आपूर्ति जारी रखेंगी। उनका रुख साफ है। वह इस पर राष्ट्रपति जो बाइडेन की नीति पर चलेंगी। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई गई कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच 10 सितंबर को पहली बहस फिलाडेल्फिया में होनी है।

गौहाटी हाईकोर्ट ने जेई पदों पर ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को नियुक्ति का दिया आदेश

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संजय कुमार मेधी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने असम के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के तहत जूनियर इंजीनियर (सिविल) पदों के लिए उच्च अंक प्राप्त करने के बावजूद नौकरी से वंचित किए गए उम्मीदवारों की नियुक्ति का आदेश दिया है। न्यायालय ने यह आदेश आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। उल्लेखनीय है कि बीते 24 जून को 344 जूनियर इंजीनियर (सिविल) पदों के लिए एक विज्ञापन प्रकाशित दिया गया था। जिनमें, 33 पद ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए आरक्षित थे। याचिकाकर्ताओं ने आवेदन किया था। उन्होंने दावा किया कि उनका चयन योग्यता के आधार पर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों में तकनीकी दिक्कतों के कारण उन्हें नियुक्तियों से वंचित किया गया। याचिकाकर्ताओं ने न्यायालय को बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान जारी किए गए उनके ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र वैध थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा उनके प्रमाणपत्रों को मनमाने तरीके से अस्वीकार कर दिया गया था। क्योंकि, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों के समय और प्रारूप के बारे में कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए थे। उनकी जगह कम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया था। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि विज्ञापन में ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों के प्रारूप को लेकर विशिष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव था, जिससे भर्ती प्रक्रिया में अस्पष्टता रही। न्यायालय ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण की अवधारणा अपेक्षाकृत नई थी, जिसे 2019 में लागू किया गया था। 2022 तक मानक प्रमाणपत्र प्रारूप नहीं होने के कारण ऐसा हुआ। न्यायमूर्ति मेधी ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अभाव को देखते हुए याचिकाकर्ताओं के प्रमाणपत्रों को अस्वीकार करना अनुचित था। अदालत ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को विभाग में जूनियर इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाए। न्यायालय के इस फैसले को लेकर याचिकाकर्ताओं के बीच खुशी छा गई है।

पिस्तौल के साथ तीन बदमाश गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले के बरघाट में डकैती की वारदात को अंजाम देने से पहले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से पिस्तौल बरामद करने के अलावा उनका वाहन और तीन मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि तीनों बदमाशों के एक वाहन से बाईपास इलाके में डकैती की घटना को अंजाम देने के लिए आने की जानकारी मिली थी। तभी पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए तीनों बदमाश नगांव के रूपहीहाट के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने उनके पास से पिस्तौल, एक वाहन और तीन मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंचे तीन लोगों के अलावा गिरोह में तेजपुर के भी कुछ लोग शामिल हैं।

हिंदू धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में एक युवक गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले में हिंदू धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में एक युवक को बरपेटा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार छात्र की पहचान बरपेटा के जाहोरपाम गांव के अब्दुस सलाम के पुत्र सुनीदुल हक उर्फ मृदुल अहमद (20) के रूप में हुई है। मृदुल अहमद बरपेटा माधव चौधरी कॉलेज में असमिया विभाग के तीसरे सेमेस्टर के स्नातक का छात्र है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि बरपेटा पुलिस ने पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह के निर्देश पर छात्र मृदुल अहमद को गुरुचार की रात को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मृदुल अहमद ने भगवान रामचंद्र की फोटो पर पेशाब करते हुए अपनी एक फोटो फेसबुक पर पोस्ट करने के साथ ही कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इस घटना की जानकारी मिलने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने बरपेटा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी और मामले की जानकारी पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह को भी दी थी। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और राष्ट्रीय बजरंग दल ने भी बरपेटा रोड पुलिस स्टेशन में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई है। मृदुल अहमद की गिरफ्तार के बाद छात्रों के एक समूह ने प्रिंसिपल से उसे कॉलेज से निष्कासित करने की मांग की है और चेतावनी दी कि अगर छात्र मृदुल अहमद को कॉलेज से निष्कासित नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

भाजपा नेता ने गोगोई, सैकिया व भूपेन बोरा के खिलाफ कोर्ट में दायर किया केस

शिवसागर (हिंस)। भाजपा नेता मयूर बोरगोहाई ने शुक्रवार को राइजर दल के अध्यक्ष एवं अपनी पार्टी के एकमात्र विधायक अखिल गोगोई, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया के खिलाफ स्थानीय कोर्ट में आपराधिक मामला दायर किया है। बताया गया कि भाजपा नेता मयूर का नाम एक विशेष वीडियो के जरिए तेजी से वायरल हो रहा था। जिसके बाद बरपेटा जिले में मयूर बोरगोहाई के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों को लेकर अब मयूर के खिलाफ अखिल गोगोई, देबब्रत सैकिया और भूपेन बोरा सवाल उठा रहे थे।

कैग रिपोर्ट विधानसभा में पेश, राज्य में 2021-22 की तुलना में जीएसडीपी 19.52 प्रतिशत बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में शुक्रवार को शरदकालीन सत्र के अंतिम दिन राज्य के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के राज्य के वित्त लेखा परीक्षा के तहत (2024 वर्ष प्रतिवेदन नंबर-1) असम सरकार की 31 मार्च, 2023 को संपन्न प्रतिवेदन तथा कैग राजस्व खंड के तहत (2024 वर्ष प्रतिवेदन नं.-3) असम सरकार के 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के प्रतिवेदन को सदन के पटल पर रखा। राज्य में 2021-22 की तुलना में जीएसडीपी में 19.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि राजस्व व्यय बढ़कर 23.34 प्रतिशत हो गया है। इस रिपोर्ट में जीएसडीपी और राजस्व व्यय में वृद्धि का उल्लेख किया गया है। असम विधानसभा में पेश राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (मौजूदा कीमतों पर) 2018-19 में 3,09,336.32 करोड़ रुपए से 11.89 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर से बढ़कर 2022-23 में 4,93,166.60 करोड़ रुपए हो गया। राज्य का बजट व्यय 2018-19 में 1,08,490.35 करोड़ रुपए से बढ़कर 2022-2023 में 8.86 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर से 1,56,525.63 करोड़ रुपए हो गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 की तुलना में जीएसडीपी में 19.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान राजस्व लाभ में 12.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन जीएसडीपी पर राजस्व लाभ का प्रतिशत 2021-22 में 19.34 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 18.20 प्रतिशत हो गया। इस अवधि के दौरान कर राजस्व में 13.66 प्रतिशत की वृद्धि हुई और राज्य के अपने कर राजस्व में 25.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई। राज्य का कुल व्यय (राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, ऋण और अग्रिम और आकस्मिक निधि के लिए व्यय) 2011-22 में 1,02,777.80 करोड़ रुपए से 16.71 प्रतिशत बढ़कर 2022-23 में 1,19,952.20 करोड़ रुपए हो गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि 2021-22 की तुलना में राजस्व व्यय में 23.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं राजस्व घाटा 2021-22 में 2,732.77 करोड़ रुपए की तुलना में 341.76 प्रतिशत बढ़कर 12,072.35 करोड़ रुपए हो गया है। दूसरी ओर, राजकोषीय घाटा 2021-22 में 19,863.12 करोड़ रुपए से 52.06 प्रतिशत बढ़कर 2022-23 में 30,204.83 करोड़ रुपए हो गया।

सत्रह दिन बाद पुलिस ने अपहरण मामले को सुलझाया

कछार (हिंस)। कछार जिले के बदरपुर से 17 दिन बाद पुलिस ने मणिपुर के एक युवक को अपहरणकर्ता के चुंगल से सकुशल बरामद किया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बदरपुर के रंगापाड़ा इलाके में स्थित अहमद हुसैन के घर से बदरपुर पुलिस और मणिपुर पुलिस ने 17 दिन पहले अपहृत किए गए युवक अब्दुल वारिस को सकुशल बरामद किया। पुलिस ने बताया कि मणिपुर के कासिंग जिला के अब्दुल वारिस नामक युवक से उसी इलाके के ताजुद्दीन नामक व्यक्ति ने व्यापार के लिए कुछ पैसा लिया था। जिसे वह नहीं लौट पाया। 22 अगस्त को ताजुद्दीन ने अब्दुल वारिस को बताया कि बदरपुर के रंगापाड़ा इलाके में अहमद हुसैन के पास पैसा रखा हुआ है उसे जाकर लाना है। इसके बाद अब्दुल वारिस बदरपुर के रंगापाड़ा इलाके में अहमद हुसैन से संपर्क किया। बदरपुर रेलवे स्टेशन से अहमद हुसैन ने अब्दुल वारिस का अपहरण कर लिया। हर दिन उसे अलग-अलग जगह पर अपहरण करने के बाद रखने लगा। इसके बाद अब्दुल वारिस के परिजनों ने मणिपुर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए अपहरण का एक मामला दर्ज कराया। मणिपुर पुलिस और बदरपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान रंगापाड़ा इलाके से अहमद हुसैन के घर से अब्दुल वारिस को सकुशल बरामद किया। जिसके बाद पुलिस ने अहमद हुसैन को गिरफ्तार कर बदरपुर थाने ले गई। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कामरूप में 250 बैग यूरिया जब्त

कामरूप (हिंस)। कामरूप में 250 बैग यूरिया जब्त किया गया। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर शंकर ज्योति नाथ के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम ने हाजो थाना क्षेत्र के सिंगिमारी में एक वाहन (एएस-15एसी-7107) को रोका। वाहन की तलाशी के दौरान टीम ने 250 बैग डीएपी उर्वरक के नीचे छुपाए गए 250 बैग यूरिया बरामद किए। तदनुसार 250 बैग यूरिया (इफको), 250 बैग डीएपी उर्वरक तथा एक वाहन जब्त किया गया।

रिश्वत लेते रंगे हाथ ड्रग इंस्पेक्टर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जोरहाट में एक ड्रग इंस्पेक्टर को आज रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। दी गई जानकारी के अनुसार सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि तेजेंद्र सैकिया, औषधि निरीक्षक, जोरहाट ने शिकायतकर्ता से उसे बिना किसी व्यवधान के अपनी दवा की दुकानें चलाने की अनुमति देने के लिए पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। बाद में, उन्होंने रिश्वत की राशि घटाकर चार हजार रुपए कर दी थी। रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं होने पर, शिकायतकर्ता ने उपर्युक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम द्वारा आज औषधि निरीक्षक, जोरहाट के कार्यालय में एक जाल बिछाया गया। तेजेंद्र सैकिया, औषधि निरीक्षक को रुपए स्वीकार करते ही उनके कार्यालय में रंगे हाथों पकड़ लिया गया। शिकायतकर्ता से चार हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। रिश्वत की राशि उसके कब्जे से बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब्त कर लिया गया। इस संबंध में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7(ए) के तहत एसीबी थाना में एसीबी पीएस केस संख्या 67/2024 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उसे मामले के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया है। आवश्यक कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

पुरुषों को महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी : गौरव गोगोई

रंगिया (निसं)। गौरव गोगोई ने राज्य के मौजूदा हालात पर अपनी टिप्पणी दी है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अजमल को फिर से राजनीति की सुर्खियों में लाने की जल्दी में हैं। राजनीतिक मोर्चे पर हिमंत विश्व शर्मा के मुख्य हथियार रहे अजमल को कांग्रेस पार्टी ने लोगों की मदद से खत्म कर दिया है। अजमल की राजनीतिक पार्टी एआईयूडीएफ फिलहाल बेहद कमजोर है। इसलिए मुख्यमंत्री अजमल और एआईयूडीएफ को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। उधर, कांग्रेस सांसद ने वर्तमान समाज में महिलाओं की सुरक्षा पर भी अहम टिप्पणी की। उन्होंने पुरुष समुदाय से इस संबंध में जागरूक होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन को दोष देने से पहले, पुरुषों को महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी। इस बीच धुबुड़ी लोकसभा सांसद रकीबुल हुसैन असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ सामने आ गए हैं। एक खिलंजिया का चेहरा देखकर असम के लोगों ने भाजपा को गले लगा लिया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद मुख्यमंत्री बने। उन्होने प्रश्न पुछा कि अगर वह खिलोंजिया से इतना प्यार करते है तो खिलंजिया को सत्ता क्यों नहीं सौंप देता! वह छह जनजातियों की समस्याओं का समाधान क्यों नहीं करते है? ऐसी बातों से असम की मुख्य समस्याएं दब गई हैं। अब लोगों ने बाढ़, स्मार्ट मीटर जैसी ज्वलंत समस्याओं के बारे में बात करना बंद कर दिया है। मालुम हो कि दोनों सांसद ने रंगिया में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की, जब वे नलबाड़ी में युवा कांग्रेस के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जा रहे थे।

मुख्यमंत्री अस्त्रहीन हो गए हैं : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद तथा लोकसभा में प्रतिपक्ष के उप नेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा अस्त्रहीन हो गए हैं। वे अब पंक्चर हो चुके राजनीतिक दल में हवा भरने की कोशिश कर रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि खत्म हो चुके राजनीतिक दल एआईयूडीएफ को मुख्यमंत्री फिर से पुनर्जीवित करना चाहते हैं, क्योंकि उनके पास और कोई चारा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौलाना बदरुद्दीन अजमल को किस प्रकार फिर से राजनीति में सक्रिय किया जाए, इसके लिए मुख्यमंत्री एक परिवेश तैयार कर रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने बंधु को एक और राजनीतिक लाइफ लाइन देने की चेष्टा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री काफी आशंकित हैं। बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के मुख्य राजनीतिक अस्त्र एआईयूडीएफ को निष्क्रिय कर दिया।

छत्रीबाड़ी श्याम मंदिर में धूमधाम से मना कृष्ण जन्मोत्सव

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी एटी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर परिसर को रंगीन गुब्बारों से सजाया गया। इस अवसर पर लड्डू गोपाल का अभिषेक किया गया। इसके पहले मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने बालकृष्ण स्वरुप लड्डू गोपाल की विधिवत पूजा कर पंचामृत से अभिषेक किया। उसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी लड्डू गोपाल का अभिषेक किया। स्थानीय गायको ने भजनों की श्रृंखला से मंदिर को गूंजायमान कर दिया। रात्रि 11:30 बजे मंदिर परिसर हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की भजन से गूंज उठा। शंख, घड़ियाल, नगाड़े की आवाज के साथ भगवान कृष्ण की आरती उतारी गई एवं प्रसाद वितरण किया गया।

कोकराझाड़ में सामाजिक एवं प्रिंट मीडिया के लिए दिना-निर्देश कार्यक्रम आयोजित

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने आज सामाजिक एवं प्रिंट मीडिया के विभागीय एकल संपर्क बिंदु (एसपीओसी) के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कोकराझार के बोडोफा नगवार स्थित बीटीसी सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य एसपीओसी को अपने विभागों की मीडिया गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक कौशल एवं ज्ञान से लैस करना था। सूचना एवं जनसंपर्क के लिए बीटीसी के संयुक्त सचिव रैक्टिम बुरागोहेन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और मीडिया कवरेज के लिए सूचना के प्रभावी प्रसार के लिए आवश्यक कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए, संयुक्त सचिव ने आगे बताया कि इस ओरिएंटेशन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों में सामाजिक और प्रिंट मीडिया गतिविधियों के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण विकसित करना था, जैसा कि बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो द्वारा परिकल्पित और निर्देशित किया गया था। यह पहल जनता के लिए परिषद की पहलों की दृश्यता, पारदर्शिता और संचार को बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव रैक्टिम बुरागोहेन और बीटीसी के क्षेत्रीय अधिकारी सह परिषद प्रमुख जाहिद अहमद तापदार ने किया। कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों को सामाजिक और प्रिंट मीडिया के प्रबंधन, आकर्षक सामग्री बनाने और मीडिया कवरेज के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रशिक्षित किया गया। ओरिएंटेशन ने समुदाय की बेहतर सेवा के लिए सभी प्लेट फार्मों पर एक सुसंगत और एकीकृत संदेश बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया।

अवैध लकड़ियों से लदे दो ट्रैक्टर समेत दो लोगों गिरफ्तार

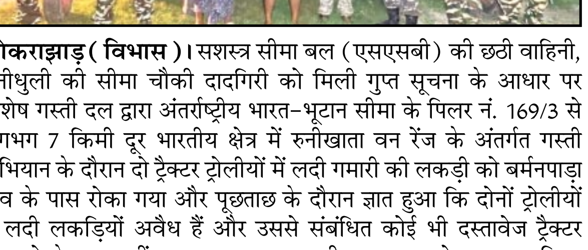

कोकराझाड़ (विभास)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की छठी वाहिनी, रानीधुली की सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विशेष गस्ती दल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा के पिलर नं. 169/3 से लगभग 7 किमी दूर भारतीय क्षेत्र में रुनीखाता वन रेंज के अंतर्गत गस्ती अभियान के दौरान दो ट्रैक्टर ट्रोलीयों में लदी गमारी की लकड़ी को बर्मनपाड़ा गांव के पास रोका गया और पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि दोनों ट्रोलीयों में लदी लकड़ियों अवैध हैं और उससे संबंधित कोई भी दस्तावेज ट्रैक्टर चालको के पास नहीं पाया गया। अत: गस्ती दल द्वारा उसे जब्त कर लिया गया। जब्त की गई लकड़ी के साथ लकड़ी तस्करों को वन विभाग रुनीखाता को सौंप दिया गया। लकड़ी की मात्रा 290 प्टस्न्नझ पाई गई। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा लगातार भागो में चलाए गए प्रचालन गतिविधियों से भारत-भूटान सीमा पर तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगी हैं।

कक्षा में छात्रा के कपड़े उतारने वाले फरार शिक्षक को लेकर रंगिया में विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। शिक्षक तथा छात्र के विश्वास को कलंकीत करने वाली घटना कामरूप के लासी बिष्णुपुर प्राथमिक विद्यालय नं 203 में स्वयं प्रधानाध्यापक जिन्नातुल इस्लाम ने की। दिल झकझोड़ने वाली घटना कामरूप के लासी बिष्णुपुर गांव की है। शिक्षक जिन्नातुल इस्लाम ने एक छात्रा को कक्षा में अपने कपड़े उतारने देकर विवाद खड़ा कर दिया है। माता-पिता के साथ-साथ विभिन्न पार्टी संगठन इस घटना से क्षुब्ध थे कि कक्षा 5 के छात्रा को इतनी बुरी मानसिकता दिखाई गई थी। बालिसत्र छात्र संघ के कार्यकर्ताओ ने हाथो में तख्तियां लेकर सड़क पर विरोध रैली निकाली। अभिभावकों, छात्रों का एक समूह भी उनके साथ शामिल हो गया। सड़क पर जिन्नातुल इस्लाम का पुतला फूंका गया। लड़की के माता-पिता द्वारा जिन्नाहुल इस्लाम के खिलाफ कोंया पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद भी शिक्षक अभी भी फरार है। दूसरी ओर राष्ट्रीय बजरंग दल ने भी लंपट शिक्षक के कृत्य के विरुद्ध प्रदर्शन किया तथा प्रशासन से तत्काल उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। सभी की मांग है कि तुरंत हेडमास्टर जिन्नातुल इस्लाम को गिरफ्तार करें और सबक सिखाया जाए।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

दरंग (हिंस)। राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर शाक्तोला में पिपरा दुकान के पास शुक्रवार सुबह किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से मॉनिंग वॉक पर निकलीं दो महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पातालसिंगपाड़ा की रहने वाली रीना बरुवा और जाह्नु बरुवा आज सुबह की सैर के निकली थीं। तभी शाक्तोला में पिपरा दुकान के पास किसी अज्ञात वाहन ने दो महिलाओं टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गए। इस घटना में एक महिला रीना बरुवा की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि दूसरी महिला जाह्नु बरुवा को गंभीर हालत में मंगलदोई जिला सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल में उसकी भी मौत हो गई।

20 अगस्त को सतिया दिवस के रूप में घोषित

विश्वनाथ (विभास)। हाल ही में विधानसभा के चल रहे शरदकालीन सत्र में सतिया विधायक पद्म हजारिका द्वारा पूछे गए प्रश्न में ऐतिहासिक सतिया पुलिस स्टेशन के महत्वपूर्ण इतिहास को गौरवान्वित करने के लिए राज्य सरकार क्या कदम उठाएगी, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऐतिहासिक सतिया पुलिस स्टेशन (पुराना) को पहले ही एक विरासत पुलिस स्टेशन के रूप में मान्यता दे दी है और इसे आधुनिक बनाने तथा इसमें कुछ विभागीय तत्वों को शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार 20 अगस्त को सतिया दिवस के रूप में घोषित करेगी तथा राज्य सरकार के संरक्षण में ऐतिहासिक महत्व को चिह्नित करने तथा स्वतंत्रता सेनानियों को उचित श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष दिन मनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐतिहासिक पुलिस स्टेशन परिसर में चौबीसों घंटे तिरंगा फहराने की व्यवस्था करेगी। उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक सतिया पुलिस थाना (पुराना) परिसर में 20 अगस्त 1942 को स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बिना किसी रक्तपात के पहली बार शांतिपूर्ण तरीके से राष्ट्रीय तिरंगा फहराया गया था। इस महत्व को चिह्नित करने के लिए, सतिया के विधायक पद्म हजारिका के नेतृत्व में 2022 से हर साल 20 अगस्त को सतिया दिवस मनाया जाता है। जैसे ही मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक सतिया पुलिस थाना के संबंध में ऐतिहासिक घोषणा की, सभी वर्गों के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और पुराने ऐतिहासिक पुलिस थाना परिसर में एकत्र हुए और घोषणा के बाद सार्वजनिक रूप से जश्न मनाया। सतिया क्षेत्र के संगठनों और प्रमुख हस्तियों ने सीएम को घोषणा के लिए धन्यवाद दिया है। स्थानीय लोगों ने थाना परिसर में मिट्टी के दीये जलाए हैं, गान बजना के साथ बिहू आदि गाने नाचने के साथ जश्न मनाया। सभी ने मुख्यमंत्री के साथ विधायक पद्म हजारिका को आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

'दीदी' की अग्नि-परीक्षा

यह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अग्नि-परीक्षा का दौर है। बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडक़ों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक़ से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था। आज ममता ऐसे ही आंदोलनों के युवाओं और छात्रों को 'गुंडा' करार दे रही हैं। बंगाल पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां भांजी, पानी की तेज धार मारी, आंसू गैस के गोले दागे और बाद में हिरासत में भी बंद कर दिया। सचिवालय तक के रास्ते में 27 बैरिकेड्स स्थापित किए, 26 डीसीपी सरीखे वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए, 6000 से ज्यादा पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के जवान तैनात किए। लोहे की दीवारें खड़ी की गईं, जिन पर तेल और ग्रीस मला गया। क्या कोई रणक्षेत्र सजा था? 'दीदी' ने किससे युद्ध करने को अपने जवान तैनात कराए थे? आंदोलनकारी 'नबन्ना सचिवालय' तक मार्च करना चाहते थे और डॉक्टर बिटिया के साथ 'रेप-मर्डर' की नृशंसता का न्याय मांग रहे थे। आंदोलन और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन तो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आंदोलनकारियों ने कुछ पथराव किया, तो उनके मानसिक रोष को समझना चाहिए था। आंदोलन की ताकत इसी से समझी जा सकती है कि 80,000 से अधिक युवा और छात्र सडक़ पर आंदोलित हुए। यह ममता बनर्जी की सत्ता के खिलाफ सामूहिक लहर का एक प्रमाण है। यह 2026 के जनादेश को भी तय कर सकता है। ममता-विरोधी आंदोलनों ने कोलकाता के बाहर और पश्चिम बंगाल के पार खासकर बंगालियों को जगा दिया है। ये उनके लिए चेतावनी की घंटी है। औसतन बंगाल महिला-सुरक्षा और सम्मान का पक्षधर रहा है। बंगाल देवी दुर्गा और मां काली की आराधना-स्थली है। अगले माह दुर्गा पूजा और फिर दीपावली के त्योहार हैं। आह्वान किए जा रहे हैं कि ये त्योहार न मनाए जाएं। आखिर एक बेटी को कुचल कर मारा गया है। इंसाफ अभी निश्चित नहीं है, क्योंकि सीबीआई की जांच जारी है। साक्ष्य मिटा दिए गए थे, जब हजारों की भीड़ एक रात में अचानक अस्पताल तक आई और सब कुछ तबाह कर दिया। बंगाल पुलिस उस भीड़ को तो रोक नहीं पाई। बल्कि उसकी खुफिया सूचना तक हासिल नहीं कर पाई। 'दीदी' को इन सभी अपराधों के जवाब देने होंगे। कोलकाता के आंदोलनकारी 'दीदी' ममता की प्रतिक्रिया जानना चाहते थे। 'रेप-मर्डर' बर्बर मामले के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने ही अस्पताल के प्रशासन और पुलिस के निकम्मेपन का बचाव किया है, लिहाजा ममता की भूमिका को भी अक्षम्य माना गया। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ऐसी ही तल्ख टिप्पणियां की थीं। ममता इन आंदोलनों को राम-वाम और कांग्रेस पर थोप कर अग्नि-परीक्षा पार नहीं कर सकतीं। राज्य के गवर्नर लगातार मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ टिप्पणियां कर रहे हैं।

बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडक़ों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक़ से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था।

डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में इस बीमारी की स्थिति को देखते हुए वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया

खतरे से निपटने को चाक-चौबंद हो स्वास्थ्य व्यवस्था

ज्ञानेन्द्र रावत

मंकीपॉक्स वायरस के कारण होने वाली यह बीमारी बड़ी तादाद में लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है। बता दें कि मंकीपॉक्स वायरस पॉक्स वायरस परिवार का सदस्य है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले लोगों को मंकीपॉक्स अपनी चपेट में ले सकता है। यह एक-दूसरे को छूने, नजदीक रहकर बात करने, यौन संबंधों और सांस लेने से भी फैल सकता है। इसके अलावा, यह बंदरों या अन्य जानवरों के साथ संपर्क से और दूषित मांस खाने से फैल सकता है।

आज समूची दुनिया के लिए मंकीपॉक्स या एमपॉक्स चिंता का विषय बन गया है। मंकीपॉक्स वायरस के कारण होने वाली यह बीमारी बड़ी तादाद में लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है। बता दें कि मंकीपॉक्स वायरस पॉक्स वायरस परिवार का सदस्य है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले लोगों को मंकीपॉक्स अपनी चपेट में ले सकता है। यह एक-दूसरे को छूने, नजदीक रहकर बात करने, यौन संबंधों और सांस लेने से भी फैल सकता है। इसके अलावा, यह बंदरों या अन्य जानवरों के साथ संपर्क से और दूषित मांस खाने से फैल सकता है। कभी-कभी पर्यावरण के जरिये यह बीमारी फैल सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में सिर में दर्द, बुखार, ग्रंथियों में सूजन और पूरे शरीर में दर्द शामिल हैं। इसके अलावा, 2 से 4 हफ्ते तक शरीर में चकत्ते, दाने, फफोले, घाव या छाले भी हो सकते हैं। अभी तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, एमपॉक्स से पीड़ित 0.1 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद, यह कम खतरनाक नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में इस बीमारी की स्थिति को देखते हुए वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। गौरतलब है कि इससे पहले 2022 में भी डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। उस समय इस वायरस ने 100 से अधिक देशों में अपना कहर बरपाया था और 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। वर्तमान में, 21,300 से अधिक लोग इस बीमारी से पीड़ित हो चुके हैं और 590 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस रोग का क्लेड 1बी वायरस सबसे अधिक खतरनाक माना जाता है।

इस बीमारी ने अभी तक 13 अफ्रीकी देशों में अपने पैर पसारे हैं, जहां 21,000 से अधिक पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन अब इस बीमारी ने अफ्रीकी महाद्वीप से बाहर जाकर यूरोपीय देश स्वीडन में भी घुसपैठ कर ली है। स्वीडन की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा है कि स्टॉकहोम में इलाज कराने आए एक व्यक्ति में क्लेड 1 वैरिएंट के कारण एमपॉक्स होने का खुलासा हुआ है। इससे पहले अफ्रीकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी ने कहा था कि

इस साल एमपॉक्स वायरस ने 13 देशों में दस्तक दी है। सभी मामलों और मौतों का 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कांगो में है। यह बीते वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 160 प्रतिशत अधिक है, और मौतों की संख्या 19 प्रतिशत बढ़ी है। यहां के 26 प्रांत इसकी चपेट में हैं। इसके बाद, बुरुंडी का नाम सामने आया है, जहां पिछले हफ्ते में इस रोग की चपेट में आने वालों की संख्या में 70 प्रतिशत का उछाल आया है। इसके बाद केन्या, रवांडा और युगांडा जैसे देशों में भी इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस बारे में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा है कि, एमपॉक्स के एक नए क्लेड का उभरना, पूर्वी डीआरसी में इसका तेजी से फैलना और कई पड़ोसी देशों में इसके फैलने की खबरें चिंताजनक हैं। डीआरसी और अफ्रीका के अन्य देशों में एमपॉक्स क्लेड के प्रकोप के अलावा, यह स्पष्ट है कि इन बढ़ते प्रकोपों को रोकने और जीवन बचाने के लिए एक समन्वित अंतर्राष्ट्रीय मुहिम की जरूरत है। अब यह रोग पाकिस्तान में भी घुसपैठ कर चुका है। अभी तक पाकिस्तान में तीन लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। पाकिस्तान एशिया का पहला देश है जहां एमपॉक्स वायरस ने दस्तक दी है।

हालांकि हमारे देश में सरकार दावा कर रही है कि वह एमपॉक्स से निपटने के लिए तैयार है, लेकिन दूसरे देशों से आने वाले लोगों से संक्रमण के खतरे को नकारा नहीं जा सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि अभी तक देश में ऐसा कोई रोगी नहीं मिला है, और सरकार इससे बचाव तथा इसके प्रसार को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सभी एयरपोर्टों और बंदरगाहों के साथ सीमा रेखा पर संचालित सभी स्वास्थ्य यूनिटों को अलर्ट रहने और देश की 32 प्रयोगशालाओं को जांच के लिए तैयार रहने के निर्देश दे दिए गए हैं।

हकीकत यह है कि कोरोना महामारी के खात्मे के तकरीबन ढाई साल बाद भी देश में संक्रामक बीमारियों से लड़ने की तैयारी अधूरी है। हालांकि, मंकीपॉक्स के संक्रमण को देखते हुए अलर्ट घोषित कर दिया गया है और अस्पतालों में कोरोना काल की तरह आइसोलेशन वार्ड और बेड आरक्षित करने की पहल शुरू कर दी गई है। लेकिन कोरोना से सबक लेकर संक्रामक बीमारियों के इलाज के लिए जो प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे, उन पर सही मायने में अमल नहीं हुआ है। दिल्ली में एम्स में 150 बेड के क्रिटिकल केयर और संक्रामक रोग केंद्र की परियोजना एक उदाहरण है, जो अधर में लटकी पड़ी है।

अच्छी खबर यह है कि देश में अभी तक एमपॉक्स का कोई रोगी नहीं मिला है, लेकिन जब पाकिस्तान तक इसकी पहुंच हो चुकी है, तो हमारे यहां आने में कितनी देर लगेगी, यह कहना मुश्किल है। इसलिए सतर्कता बेहद जरूरी है। सबसे पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें। हाथों को साबुन और हैंडवाश से बार-बार धोएं। लक्षण दिखने पर खुद को दूसरों से अलग रखें। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें। वहीं यदि मांसाहार सेवन आवश्यक ही हो, तो पहले उसे अच्छे से धोएं और अच्छी तरह पका लें।

इसके अलावा, एमपॉक्स से बचाव के लिए बवेरियन नार्डिक द्वारा विकसित किया गया टीका, जिसे एमवीए-बीएन टीका कहा जाता है, उपलब्ध है। हालांकि अधिकांश मामलों में दवा से इसके लक्षण ठीक हो जाते हैं, लेकिन बीमारी गंभीर हो सकती है, इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता। विशेष रूप से कमजोर लोगों, नवजात शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को इससे बचाने की अत्यंत आवश्यकता है। एहतियात ही इससे खुद को बचाने का सबसे कारगर रास्ता है।

दृष्टि कोण

बाल तस्करी से निपटने की चुनौती

जिला कांगड़ा की सराह पंचायत में शुक्रवार, 23 अगस्त को दो लड़कियां व एक लडक़ा जब घर से सराह स्कूल को जा रहे थे तो मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश, जिन्होंने बाइक पर कंबल बेचने के लिए रखे हुए थे, ने बच्चों को टॉफियां-चॉकलेट लेने का लालच दिया, लेकिन बच्चों ने टॉफी-चॉकलेट लेने से इनकार कर दिया और शोर मचाया, जिससे वे संदिग्ध नकाबपोश व्यक्ति वहां से रफूचक्कर हो गए, लेकिन इलाके में ऐसे व्यक्तियों की गतिविधियों से अभिभावक सकते में हैं। उधर ऊना शहर के वार्ड नंबर दस में तीन नाबालिग बच्चे अचानक घर से लापता हो गए हैं। तीनों बच्चे घर से ट्यूशन पर जाने के लिए निकले थे, लेकिन ट्यूशन सेंटर पर नहीं पहुंचे। पीड़ित माता-पिता ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई है। ऐसी कहानियां अमूमन मीडिया में भारत के प्रत्येक राज्य से पढने-देखने को मिलती रहती हैं। बाल तस्करी को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 1 जनवरी 2018 से 30 जून 2023 तक का जो डॉटा लोकसभा में रखा है, वह चौंकाने वाला भी है और चिंतित करने वाला भी है। पिछले पांच सालों में देश भर में 2 लाख 75 हजार से ज्यादा बच्चे गायब हुए हैं। गायब हुए बच्चों में 2 लाख 12 हजार लड़कियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से 2 लाख 40 हजार बच्चों को ढूंढ निकाला गया, इसमें 173786 लड़कियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार सात राज्यों मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बच्चे गायब होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार गायब हुए बच्चों में से ज्यादातर बंधुआ मजदूरी या फिर व्यावसायिक यौन शोषण के धंधे में लगा दिए जाते हैं। बचपन बचाओ आंदोलन की रिपोर्ट की मानें तो देश भर में हर साल करीब 96000 बच्चे लापता हो रहे हैं। इन बच्चों में से 41546 का कभी पता नहीं चलता है। बीबीए के संस्थापक नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी इस बारे में कहते हैं, 'इन लापता बच्चों में से ज्यादातर मामलों को तो पुलिस मानती ही नहीं, उनके मामले दर्ज करना और उनकी जांच करना तो दूर की बात है।' बीबीए ने एक टोल फ्री शिकायत नंबर 18001027222 शुरू किया है जहां पर लापता बच्चों को लेकर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। बच्चों के लिए काम करने वाले एक अन्य गैर सरकारी संगठन सीआरवाई (क्राई) की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार गिर रहे लिंगानुपात के चलते हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में लड़कियों को अगवा कर शादी के लिए बेचने का भी धंधा भी चल रहा है। चाइल्ड ट्रैफिकिंग के शिकार ज्यादातर बच्चे शहरी घरों में घरेलू नौकर का काम करते हैं। बाल तस्करी की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन आदि के लिए प्रयासरत संस्था बचपन बचाओ आंदोलन अब तक 80 हजार से अधिक मासूमों को बाल तस्करी से बचा चुका है। आज चाइल्ड ट्रैफिकिंग पर विशेष लगाम लगाने की जरूरत है। बच्चों को मजदूरी के लिए इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि बच्चे सस्ते मजदूर साबित होते हैं जिन्हें डरा-धमकाकर ज्यादा से ज्यादा काम लिया जा सकता है। बच्चों का इस्तेमाल शारीरिक शोषण अथवा गलत काम के लिए भी किया जाता है। बाल विवाह भी इसका एक बहुत बड़ा कारण है। बच्चों के बॉडी पार्ट बेचे जाते हैं। बचपन बचाओ आंदोलन और कैपजैमिनी ने एक ऐप्लिकेशन 'रीयूनाइट' बनाया है जिसे गूगल प्ले स्टोर और ऐपल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। कैलाश सत्यार्थी कहते भी हैं कि, 'देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता होता है। बाल तस्करी के धंधे में संलिप्त लोग उन्हें मजूदरी, चोरी करने अथवा सडक़ों पर भीख मांगने के काम में धकेल देते हैं।' महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुमशुदा बच्चों को ट्रैक करने के लिए 'ट्रैकचाइल्ड' और 'खोया-पाया' वेब पोर्टल विकसित किए हैं। ट्रैकचाइल्ड पोर्टल गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्डों, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण आदि सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है और 'खोया-पाया' को ट्रैकचाइल्ड पोर्टल पर नागरिक कॉर्नर के रूप में एकीकृत किया गया है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को समझाएं कि घर से बाहर जाने या घर में भी किसी अजनबी के आने पर उनसे कोई भी चीज नहीं लेनी है। अगर वो उनके अभिभावकों को जानने की बात भी कहते हैं तो भी बच्चे को उनके साथ जाने से इंकार कर देना है। बच्चे को पुलिस स्टेशन या पंचायत/वार्ड जनप्रतिनिधियों के बारे में भी बताकर रखें। बच्चों को बताएं कि गुम होने पर उन्हें कब क्या एक्शन लेना है, कहां जाना है और कैसे अपने आपको सुरक्षित करना है। अगर कोई अजनबी उसे परेशान करता है तो उसे चिल्लाना चाहिए। अध्यापकों द्वारा भी स्कूलों में प्रातःकालीन सभा में विद्यार्थियों को समय-समय पर बाजार एवं घर आते-जाते समय अजनबी व्यक्तियों से लिफ्ट अथवा खाने-पीने की सामग्री नहीं लेने की ताकीद की जानी चाहिए। किशोरों को सही दिशा और जीवन जीने का कौशल समझाया जाना चाहिए।

कुछ अलग

बदली दुनिया का दस्तूर

देखते ही देखते लोगों के जीने का, बात करने का, अपने आप को पेश करने का सलीका बदल गया। आज सडक़ पर चलता हर बशर नकाबदारी में नजर आता है। क्या चचा जान का वचन यह साबित नहीं कर देता कि 'इस दुनिया के सब चोर-चोर, कोई बड़ा चोर कोई छोटा चोर।' जहां से आपने महीनों पहले उधार ले रखा था, और वापस चुकाने की आपकी कोई मंशा नहीं थी, वहां भी अब आप मजे से यह मास्क ओढ़ कर जा सकते हैं। चेहरा न दिखाने पर कोई पहचानेगा नहीं। कोई धृष्ट महाजन आपका नकाब हटा आपको पहचानने की कोशिश करे तो बेशक कानून परस्तों के सामने चिल्ला दीजिए, 'हुजूर यह हमारा नकाब छीन कर हमें कानून के उल्लंघन के लिए मजबूर कर रहा है। इसे पकड़ कर भारी जुर्माना कीजिए।' हमारी सिफारिश पर उन्होंने कुछ रियायत कर दी, तो हम उस बचत की ही इसके कर्ज की राशि की वापसी बना देंगे। जी हां, यहां सीधी उंगली से घी निकलता कहां है? अब कोई उंगली टेढ़ी करने लगे तो उससे पूछ लीजिएगा, 'बन्धु, टेढ़ी उंगली को धो-पौंछ लिया?' कहीं ऐसा न हो कि अपनी उंगली से सारा घी ही बिगाड़ दो। क्या इससे बेहतर नहीं कि जनता की भलाई के लिए जारी हुआ घी हम आपस में ही आधा-आधा बांट लें। अभी-अभी खबर मिली है कि अपने राज्य में जो मुफ्त राशन उसके हिस्से में गरीबों में बांटने के लिए दिया गया था, उसका एक हिस्सा भी उनमें नहीं बांटा। सम्भवतः यह समय का तकाजा है कि न नौ मन तेल हो और न राधा नाचे। न इनमें राशन बंटेगा न इसे हथियाने के लिए मारामारी होगी, न इनकी हथेलियां लिथड़ेंगी। यूं ही साफ-सुथरे ये लोग इहलोक की लीला समाप्त कर परलोक सिधार गए, तो कम से कम हम कह तो सकेंगे, 'भई ये गंदे, मैले कुचैले संक्रमित हो बीमारी से नहीं मरे, भुखमरी से मरे।' इसलिए यह मौत उस बीमारी के खाते में आएगी। यूं मरने वालों की संख्या नहीं बढ़ेगी। लीजिए बैठे-बिठाए समस्या का समाधान हो गया। लोग भुखमरी से मरे हैं। इसलिए सिद्ध होता है कि इस माहामारी से मरने वालों का आंकड़ा कम हो रहा है। और हमने इससे अपने इलाके में बीमारियों से होने वाली मौतें घटाकर विजय प्राप्त कर ली है। वैसे भी हमने बेरोजगारी के कारण शहर छोड़ अपने-अपने गांव भागते हुए लोगों को बताया था कि 'भई वहां कुछ नहीं रखा है।' हालात सब जगह एक से हैं। यहां भी छुटभय्ये नेता दनदनाते हैं, वहां भी उनकी कमी नहीं। पता है न एक देश, एक राशन कार्ड बन गया है। इसलिए कौनसा कार्ड फर्जी है, इसे पहचानने में और भी दिक्कत हो जाएगी। अब आप उन नकाबों की तलाश न कीजिएगा कि जिन्हें ओढ़ आपके मेहरबानों ने आप पर यह करम फरमाया है। फिलहाल तो यह पता कीजिये कि आपके हिस्से की मनरेगा राशि कहां उडऩछू हो गई? खाते बताते हैं कि आपके इलाके की सारी मनरेगा राशि बंट चुकी है और आपके हिस्से एक छदाम भी नहीं आया। जो कार्ड बन गए थे, उन पर धन बंट गया। फिलहाल तो यह काम कीजिए कि पता करें यह धनराशि कौन से नकाबपोश फर्जी अते पते के साथ सेंध लगा कर ले उड़े। लीजिए अब अपने कल्याण का इंतजार नहीं, इन सेंधों की तलाश कीजिए कि जहां जारी हुए एक रुपए के नब्बे पैसे बंट गए। लेकिन नेता जी तो बता रहे थे, 'आजकल पूरे का पूरा रुपया गरीबों के खाते में जाता है।' आइए पहले इन नकाबपोशों को बेनकाब करें जो हमारा रुपया हमें दे भी गए और उसे ले भी उड़े। चलें, आमीन।

गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि इस जगत का हर प्राणी, और सिर्फ प्राणी ही नहीं बल्कि जगत की हर वस्तु भी परमात्मा का ही स्वरूप है। कण-कण में राम समाए हैं तो फिर जड़ हो या चेतन, यानी हर प्राणी और हर वस्तु में उसी परमात्मा का नूर है। जब हमने इसे सच मान लिया, जब हमने इसे जीवन में उतार लिया तो फिर हर चीज और हर प्राणी हमारे लिए परमात्मा ही है। यही कारण है कि तुलसीदास ने स्पष्ट किया है कि चूंकि सारा जग ही जनकसुता वैदेही माता सीता जी और त्रिलोकीनाथ सर्वेश्वर भगवान श्री रामचंद्र जी का ही स्वरूप है तो मैं इस जगत के हर प्राणी और हर वस्तु को दोनों हाथ जोड़ कर विनम्रता से और श्रद्धा से प्रणाम करता हूं। इसी तरह गुरु नानक देव जी ने कहा कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कर्तव्य ही पूजा है और चढ़ावा चढ़ाने के लिए किसी पूजा स्थल पर जाने की आवश्यकता नहीं है।

देश दुनीया से

सिया राम मय सब जग जानी

महाकाव्य रामचरित मानस के रचयिता भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'सिया राम मय सब जग जानी, करहु प्रनाम जोरी जुग पानी' कहकर हमें जो सीख दी है, उसे गहराई से समझने की आवश्यकता है, उसे टोटैलिटी में, समग्रता में समझने की आवश्यकता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि इस जगत का हर प्राणी, और सिर्फ प्राणी ही नहीं बल्कि जगत की हर वस्तु भी परमात्मा का ही स्वरूप है। कण-कण में राम समाए हैं तो फिर जड़ हो या चेतन, यानी हर प्राणी और हर वस्तु में उसी परमात्मा का नूर है। जब हमने इसे सच मान लिया, जब हमने इसे जीवन में उतार लिया तो फिर हर चीज और हर प्राणी हमारे लिए परमात्मा ही है। यही कारण है कि तुलसीदास ने स्पष्ट किया है कि चूंकि सारा जग ही जनकसुता वैदेही माता सीता जी और त्रिलोकीनाथ सर्वेश्वर भगवान श्री रामचंद्र जी का ही स्वरूप है तो मैं इस जगत के हर प्राणी और हर वस्तु को दोनों हाथ जोड़ कर विनम्रता से और श्रद्धा से प्रणाम करता हूं। इसी तरह गुरु नानक देव जी ने कहा कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कर्तव्य ही पूजा है और चढ़ावा चढ़ाने के लिए किसी पूजा स्थल पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मैं जो कुछ करूं, वह परमात्मा को अर्पण करके करूं। 'सहज संन्यास मिशन' का आदर्श वाक्य 'कर करनी, कर जोड़ कर' भी इसी भाव को दर्शाता है। कर करनी, यानी जो भी करें, कर जोड़ कर करें, हाथ जोड़ कर करें, परमात्मा को नमस्कार करके करें, परमात्मा को अर्पित करके करें। संत रविदास जी ने क्या खूब ही कहा है कि 'मन चंगा, तो कठौती में गंगा', मन शुद्ध हो आपके बर्तन में पड़ा पानी भी साधारण नहीं रह जाता, वह गंगाजल जितना निर्मल और पवित्र हो जाता है। दिन भर काम करते हुए हम इधर-उधर जाते हैं, वही परमात्मा की परिक्रमा है, मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है। मैं ही परमात्मा हूं, और इस जगत का हर जीव-जंतु परमात्मा का ही अंश है। अब जब हर कोई परमात्मा का अंश है और मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है तो मैं झूठ कैसे बोल सकता हूं, किसी को धोखा कैसे दे सकता हूं, फरेब कैसे कर सकता हूं? यही निष्काम कर्म है, यही सहज संन्यास है। वस्तुतः निष्काम कर्म ही सहज संन्यास है। सहज संन्यास की खासियत ही यही है कि इसके लिए हमें अपना धर्म बदलने की आवश्यकता नहीं है। हम किसी भी धर्म, संप्रदाय, मत को मानते हों, हमारे इष्ट देव कोई भी हों, उसे बदलने की जरूरत नहीं है। बदलना है सिर्फ अपना नजरिया, अपना जीवन, अपना लाइफस्टाइल। इससे ही सब बदल जाएगा। ऋषियों-मुनियों और मनीषियों ने दुनिया को माया कहा, जीवन को सपना कहा तो उनका मकसद यह समझाना था कि जन्म है तो मृत्यु भी है और कुछ भी स्थायी नहीं है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए हमें जन-जन की सेवा करनी चाहिए और प्रेममय जीवन बिताना चाहिए। सिर्फ इतना ही मान लेना कि दुनिया माया है या जीवन सपना है, दरअसल अधूरा सच है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जीवन का पाठ यही है। पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। दो-तीन छोटे-छोटे से नुक्ते हैं जिन्हें समझ लें तो जीवन आसान हो जाता है। मसलन, हमारी सबसे बड़ी जीत तब होती है जब हम खामोशी से उस व्यक्ति को सच्चे दिल से माफ कर दें जिसने हमें सबसे ज्यादा तकलीफ दी हो। इसी की आगे व्याख्या करें तो यह भी स्पष्ट होता है कि अगर हमें किसी दूसरे व्यक्ति को दुख में, तकलीफ में, परेशानी में, असफलता में या संघर्ष करते हुए देखकर खुशी मिलती हो तो यह भी एक प्रकार की हिंसा ही है। यह समझना बहुत जरूरी है कि कागज के टुकड़े करना सरल है, कपड़े के टुकड़े करना थोड़ा कठिन है, लोहे के टुकड़े करना काफी कठिन है, लेकिन सबसे ज्यादा कठिन अगर कुछ है तो वह है अपने अंदर जड़ें जमाए हुए अहंकार के टुकड़े करना। अहंकार को जीत लिया तो जीवन सादा हो गया, सरल हो गया, तरल हो गया, सब तरफ प्रेम बहने लगा और हम प्रेममय हो गए, बल्कि खुद ही प्रेम हो गए।

आप का नजरीया

हिमाचल में हवाई सर्किट

हवाई कनेक्टिविटी के आकाश में हिमाचल के प्रयास अब नया स्थान खोज रहे हैं। इसी धुन पर सवार होकर हिमाचल ने हेलिपोर्ट विस्तार का खाका मुकम्मल करते हुए पालमपुर, रक्कड़, चंबा और किन्नौर का नक्शा मजबूत करना शुरू किया है, तो कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार को लेकर सिर धड़ की बाजी लगा दी है। सरकार इसके विस्तार को अमलीजामा पहना देती है, तो यह पर्वतीय वर्जनाओं पर इरादों की बुलंदी होगी। कुछ इसी तरह जब ऊना रेल आगे बढ़ी, तो वंदे भारत की मंजिल पर आकर अंब-अंदौरा ने पर्यटन का मजबूत रास्ता बना दिया। हमने शुरू से ही कहा है कि हिमाचल की कनेक्टिविटी में सडक़ मार्गों का केंद्र हमीरपुर, रेलवे विस्तार की कड़ी में ऊना रेल का मुख ज्वालाजीमुखी की ओर मोड़ कर तथा विमान सेवाओं के विस्तार को कांगड़ा एयरपोर्ट से जोड़ कर पूरा किया जा सकता है। इसी तरह रज्जु मार्गों, मोनो रेल, स्काई बस या एरियल ट्रॉम के जरिए बड़े शहरों में स्थानीय परिवहन के नेटवर्क स्थापित करने होंगे। शिमला शहर के लिए रज्जु मार्ग परियोजना आशा जगाती है। करीब 1734 करोड़ की यह परियोजना साठ किलोमीटर क्षेत्रफल में प्रति घंटा 2000 यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाएगी। इसी तरह की परियोजनाएं कांगड़ा से धर्मशाला-मकलोडगंज, सुंदरनगर-नेरचौक-मंडी व भुंतर-कुल्लू-मनाली के लिए भी बनाई जाएं, तो शहरी परिवहन के साथ-साथ पर्यटन के यातायात को भी सुचारू रूप से चलाया जा सकता है। कम से कम पांच करोड़ पर्यटकों को बुलावा भेजने के इच्छुक राज्य को अपने परिवहन के सारे माध्यमों को पुख्ता करने की आवश्यकता है। बहरहाल हिमाचल सरकार हवाई रूट की नई श्रृंखला में प्रदेश को आरामदायक यात्रा डेस्टिनेशन से जोड़ रही है। इसी संदर्भ में चंडीगढ़-कुल्लू-धर्मशाला के रूट के प्रस्ताव पर कार्य हो रहा है। पहले ही शिमला-धर्मशाला, कुल्लू-अमृतसर, शिमला-अमृतसर तथा चंडीगढ़-धर्मशाला उड़ानें जारी हैं, जबकि गर्मियों में जयपुर से धर्मशाला को जोडऩे का प्रयास भी हुआ है, लेकिन अब एक आंतरिक हवाई सर्किट बनता हुआ दिखाई देता है। हेलि टैक्सी इस दिशा में कई रूट चिन्हित कर चुकी है। यह दीगर है कि कुछ उड़ानें अभी अपनी क्षमता का दोहन न कर पाने की वजह से रुक गईं, लेकिन भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल के अंदरूनी-अनछुए और ट्राइबल पर्यटन के लिए हेलिपोर्ट मील पत्थर साबित होंगे। राजधानी शिमला से सभी जिला मुख्यालयों तथा महत्त्वपूर्ण शहरों के लिए हवाई उड़ानें अगर पैकेज के रूप में ट्रैवलर और सरकारी आवाजाही से जुड़ें, तो सरकारी गाडियों के काफिले फिर सडक़ों पर नहीं चलेंगे। इसके लिए हवाई टिकट के साथ गंतव्य तक नियमित सार्वजनिक वाहनों की खेप उतारनी पड़ेगी। शिमला-धर्मशाला फ्लाइट का पूरा लाभ तब मिलेगा जब राजधानी और उप राजधानी के हवाई अड्डों के लिए विशेष बस सेवाएं शुरू की जाएं। इतना ही नहीं, हवाई अड्डों पर टैक्सी सेवाएं जिस ढर्रे व दर से चलती हैं, उससे यात्रा का सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

भाजपा ऐसे किसी से समझौता नहीं करेगी जिसकी सोच देश और समाज के खिलाफ हो : जनजाति मंत्री

उदयपुर (हिंस)। राजस्थान के जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने स्पष्ट कहा है कि भाजपा ऐसे किसी व्यक्ति या संगठन के साथ समझौता नहीं करेगी जिसके विचार देश और समाज के खिलाफ हों। राड़ी शुक्रवार को यहां उदयपुर में होटल पारसमहल में पत्रकारों से मुखातिब थे। जनजाति मंत्री बनने के बाद पत्रकारों से वृहद औपचारिक वार्ता का पहला अवसर बताते हुए उन्होंने केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की खूबियां बताईं और कहा कि भाजपा का लक्ष्य अंत्योदय है। भाजपा राजनीति व्यवसाय करने के लिए नहीं, बल्कि देश को आगे बढ़ाने के लिए करती है। राजनीति में शुचिता और ईमानदारी आए, यह हमारी जिम्मेदारी है। पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने आदिवासी हिंदू नहीं के तथ्य को सिरे से नकारते हुए कहा कि जिस महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम की रामायण लिखी, वह भी भील थे, राजा रामचंद्र वनवास में आदिवासी समाज के बीच रहे और जब लौटे तो भगवान श्रीराम हुए। रामसेतु बनाने में जिन नल-नील का सहयोग रहा, वह भी आदिवासी थे। जो आदिवासी विवाह में अग्नि के सात फेरे लेता है, तुलसी-पीपल की पूजा करता है, उस आदिवासी को जो लोग हिंदू नहीं बताते

हैं, इसके पीछे उनकी मंशा सिर्फ राजनीतिक लाभ की है। शराब जैसे नशे के कारण बढ़ते अपराध के सवाल पर उन्होंने सरकार द्वारा उचित कदम उठाने का आश्वासन देते हुए उन्होंने भारत आदिवासी पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि इस पार्टी के नेता यह शपथ दिलाते हैं कि अंग्रेजी शराब नहीं पीएंगे, लेकिन रोजाना शाम को देसी शराब के 2 घूंट पीएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी सोच वालों के साथ समझौता नहीं किया जा सकता। धर्मान्तरण और डी-लिस्टिंग के सवाल पर जनजाति मंत्री ने स्पष्ट कहा कि धर्म बदल लेने वालों की जब आस्था ही बदल गई, उन्होंने आदिवासी समाज के रीति रिवाज छोड़ दिए तो वे आरक्षण के अधिकारी कैसे हो सकते हैं। धर्मान्तरण करके वे गलत तरीके से दोहरा लाभ उठा रहे हैं जो उन्हें नहीं मिलना चाहिए। क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के सवाल पर अपना पक्ष रखते हुए जनजाति मंत्री खराड़ी ने कहा कि यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि आरक्षण खत्म किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण खत्म करने की बात नहीं कही, सुप्रीम कोर्ट ने क्रीमीलेयर के ही लगातार आरक्षण का लाभ उठाने पर यह कहा गया है कि उसी श्रेणी के वंचित वर्ग को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव से पहले और इस फैसले तक यह भ्रम फैलाती रही कि मोदी सरकार आरक्षण खत्म करने जा रही है, संविधान बदला जा रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस ने चुप्पी साध ली। क्रीमीलेयर वाली बात भाजपा ने तो कही नहीं थी। कांग्रेस ने अपना बयान तब जारी किया जब पीएम मोदी ने देश भर के सांसदों के आग्रह पर कहा कि आरक्षण के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। इसके बाद कांग्रेस कहती है कि वह भी तो यही चाहती है। खराड़ी ने कहा कि फैलाए जा रहे भ्रम को भाजपा ठीक करेगी। उन्होंने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि पहले संसाधन नहीं हुआ करते थे। अब तो सरकारी निर्माण कार्यों के दौरान जनता भी जागरूक नागरिक की भूमिका निभाते हुए निगरानी रख सकती है। उन्होंने जर्जर स्कूलों की टपकती छतों के लिए कहा कि अब होने वाले कार्यों पर जनता पूरी नजर रखे। पत्रकार वार्ता के दौरान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, सांसद मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर भाजपा जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, जिला प्रमुख ममता कुंवर ने भी अपनी बात रखी। चपलोत ने बढ़ते डेंगू पर ध्यान देने तथा लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजगार बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

तालाब में डूबने से चार स्कूली छात्राओं की मौत

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले के डूंगला थाना क्षेत्र में आने वाले बिलोदा गांव में शुक्रवार दोपहर तालाब में डूबने से चार स्कूली छात्राओं की मौत हो गई। चारों बालिकाएं मीणा समाज की होकर रिश्तेदार भी बताई है। स्कूल से घर जाने के दौरान एक बालिका का पैर फिसला और पानी में जा गिरी। इसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य भी एक के बाद एक तालाब में कूद गई। चारों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और चारों बालिकाओं को चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। सकरिता मंत्री भी चिकित्सालय पहुंचे और घटना की जानकारी ली। डूंगला थाना पुलिस बालिकाओं के पोस्टमार्टम की कार्यवाही में जुटी हुई है। इस हादसे से बिलोदा गांव में शोक की लहर छा गई। डूंगला थाना प्रभारी घेवरचंद ने बताया कि स्कूली छात्राओं के डूबने की घटना बिलोदा गांव में हुई। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली पांच छात्राएं छुट्टी होने के बाद घर लौट रही थी। तालाब के यहां से गुजरने के दौरान एक छात्रा का पैर फिसला और वह तालाब में जा गिरी और डूबने लगी।

राहुल गांधी के *भारत जोड़ो यात्रा* को लेकर मायावती ने प्रतिक्रिया दी

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के *भारत जोडो यात्रा* को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पेट भरे लोगों को दोजा व अन्य खेलकूद के महत्व से इंकार नहीं है। लेकिन गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व पिछड़ेपन आदि के त्रस्त परिवारों का क्या, जो पेट पालने के लिए कमरतोड़ मेहनत को मजबूर हैं। ऐसे में उन परिवारों के लिए *भारत जोड़ो यात्रा* किसी उपहास से कम नहीं है। मायावती ने कहा कि केंद्र व राज्य की सरकारें गरीबों और व मेहनतकश लोगों को सम्मानपूर्वक रोटी-रोजी की व्यवस्था कर पाने में अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए उनसे भूखे पेट भजन कराते रहना चाहती है। ऐसे में कांग्रेस का भी वैसा ही जनविरोधी रवैया जनता को कैसे गवारा संभव है? बसपा प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस एवं इनके इण्डी गठबंधन ने आरक्षण व संविधान बचाने के नाम पर एससी, एसटी व ओबीसी का वोट लेकर अपनी ताकत तो बढ़ा ली है। अपना वक्त निकल जाने पर उनके भूख व तड़प को भुलाकर उनके प्रति यह क्रूर रवैया अपनाना क्या उचित है। खेल का राजनीतिकरण हानिकारक जो अब और नहीं। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने गुरुवार को मार्शल आर्ट से संबंधित एक वीडियो जारी किया।

हादसे के बाद जागा निगम जर्जर 100 से ज्यादा मकानों को करेगा ध्वस्त

जयपुर (हिंस)। जवाहर नगर शॉपिंग सेंटर में गुरुवार शाम दो मंजिला इमारत गिरने के बाद अब नगर निगम प्रशासन एक्टिव मोड में आ गया है। नगर निगम शहर में चिन्हित जर्जर 100 से ज्यादा मकानों को खाली करवा कर उन्हें ध्वस्त करने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए निगम अगले सात दिन तक एक अभियान चलाने की तैयारी में है। इसके साथ ही हेरिटेज निगम क्षेत्र में जोन स्तर पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सभी जोन उपायुक्त सर्वे कर अवैध निर्माणों को सीज करेंगे। नगर निगम कमिश्नर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जवाहर नगर में हुए हादसे की जांच की जा रही है। इस हादसे में जो भी लोग दोषी होंगे। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों से इस तरह की शिकायत भी मिली थी कि यहां नियमों के विपरीत निर्माण किया जा रहा था। ऐसे में अगर नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही इसमें सामने आएगी। उनके खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र में जितनी भी जर्जर इमारतें हैं। इनमें फिलहाल कोई नहीं रहता है। उन सभी को ढहाने (तोड़ने) के लिए जोन स्तर पर उपायुक्त को निर्देश दिए हैं। ताकि भविष्य में इस तरह का कोई भी हादसा ना हो सके। सुराणा ने कहा कि इसके साथ ही निगम क्षेत्र में जितने भी अवैध निर्माण है। उनके खिलाफ सीज की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जिन अवैध निर्माणों को नोटिस दिए जा चुके हैं। लेकिन उन्होंने अब तक अवैध निर्माण नहीं हटाया है। उनके खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि गुरुवार रात साढ़े आठ बजे जयपुर के जवाहर नगर शॉपिंग सेंटर में अचानक निर्माणाधीन इमारत गिर गई थी। हालांकि गनीमत रही कि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

ईडी की कार्रवाई पर हुड्डा ने दी सफाई बोले, *पुराने केस से मेरा कोई संबंध नहीं*

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय की संपत्ति अटैच किए जाने की कार्रवाई के बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बयान आया है। हुड्डा ने दावा किया है कि यह मामला पुराना है और इससे उनका कोई सरोकार नहीं है। चुनाव के समय में लोगों का ध्यान भटकाया जा रहा है। ईडी ने गुरुवार को बिल्डर लाबी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल से जुड़े एक मामले में 834 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच (जब्त) की है। इसमें ईएमएआर (एम्मार) इंडिया लिमिटेड की 501.13 करोड़ रुपए की संपत्ति और एमजीएफ डेवलपमेंट लिमिटेड की 332.69 करोड़ रुपए की संपत्ति शामिल है। इन दोनों कंपनियों ने 834.03 करोड़ रुपए कीमत की 401.65 एकड़

जमीन को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह जमीन हरियाणा के गुरुग्राम और दिल्ली के आसपास 20 गांवों में स्थित है। आरोप है कि तत्कालीन सरकार ने किसानों को जमीन अधिग्रहण का डर दिखाकर उन्हें औने-पौने दामों पर बिल्डरों को बेचने के लिए मजबूर किया गया था। इस बीच पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि यह पुराना केस है। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। जिस एफआईआर में मेरा नाम है, वह पुराना मामला है। इस मुद्दे पर ईडी की कार्रवाई को लेकर गए ज्यादातर सवालों को हुड्डा ने टाल दिया। इसी दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने ईडी की कार्रवाई पर तंज कसते हुए कहा कि ईडी का मतलब इलेक्शन डिपार्टमेंट ऑफ बीजेपी है। सुरजेवाला ने कहा कि सीबीआई का मतलब कैप्टिव ब्यूरो ऑफ बीजेपी है। देश में जहां-जहां चुनाव होते हैं वहां मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए ईडी, सीबीआई व आयकर की कार्रवाई दिखाते हैं। इससे ज्यादा इनकी बात में कोई वजन नहीं। दस साल बीजेपी की सरकार रही उस समय कार्रवाई कर सकते थे अब चुनाव के समय में ध्यान भटकाने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है।

बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के लिए प्रयास करे भारत

लखनऊ (हिंस)। संस्कृति पुनरुत्थान समिति व राष्ट्रधर्म प्रकाशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रधर्म कार्यालय में बांग्लादेश: वर्तमान समस्या और समाधान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रधर्म के प्रभारी निदेशक सर्वेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत ने ही बांग्लादेश को बनने दिया है। इसलिए बांग्लादेश में अगर लोकतंत्र की बहाली के लिए भारत को सैन्य कार्रवाई भी करनी पड़े तो करना चाहिए। सर्वेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि विदेशों से हमारा संबंध ठीक रहे और पड़ोसी देशों में शांति स्थापित हो, इसका प्रयास भारत सरकार को करना चाहिए। भारत निरंतर मजबूत हो रहा है। यह दुनिया के अन्य देशों को खल रहा है। कुंवर आजम खां ने कहा कि पाकिस्तान को बांग्लादेश की आजादी खटक रही है। बांग्लादेश में पाक की साजिश कामयाब हुई। बांग्लादेश में तख्तापलट करने के लिए पाकिस्तान व चीन ने मिलकर साजिश रची। इस मुद्दे पर भारत सरकार को गहरी नजर रखनी चाहिए। इस कठिन दौर में भारत को बांग्लादेश का साथ नहीं छोड़ना चाहिए और लोकतंत्र की बहाली के लिए प्रयास करना चाहिए। वरिष्ठ

पत्रकार सर्वेश सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया और भारत सरकार को खबर नहीं हुई। इसका मतलब भारत की खुफिया एजेंसी इस मुद्दे पर फेल साबित हुई है। अगर इसकी खबर भारत सरकार को पहले से थी तो भारत सरकार ने इसके लिए क्या कदम उठाये। विषय प्रस्तावना रखत हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के डॉक्टर सौरभ मालवीय ने कहा कि बांग्लादेश आंतरिक संघर्षों से जूझ रहा है। गरीबी, बेरोजगारी, कटटपंथी, चरमपंथियों का आतंक पूरे मुल्क में व्याप्त है। उन्होंने कहा कि प ?सी देशों के साथ हमारा संबंध ठीक होना चाहिए। इस बात का खास ध्यान रखते हुए भारत सरकार के नीतिगत फैसलों में पूरे देश को मिलकर साथ देने का समय है। ताकि वहां के हिन्दुओं की चिंता भारत कर सके। बाबूलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में भारत के पड़ोसी देशों में स्थिति चिंताजनक है। इसके अलावा गोष्ठी को प्रान्त सामाजिक सदभाव प्रमुख राजेन्द्र, डॉ. सत्येन्द्र त्रिपाठी, के.सी. जैन, मृत्युंजय दीक्षित आदि ने संबोधित किया। अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की क्षेत्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. हरमेश सिंह चौहान ने की।

नारायण सेवा संस्थान एक सितंबर को कराएगा 51 दिव्यांग जोड़ों का सामूहिक विवाह

उदयपुर (हिंस)। नारायण सेवा संस्थान की ओर से बड़ी स्थित लियो का गुड़ा में सेवामहातीर्थ परिसर में 31 अगस्त व 1 सितंबर को 42वां नि:शुल्क दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर से दिव्यांग एवं गरीब परिवारों के 51 जोड़े विवाह सूत्र में बंध गृहस्थ जीवन में प्रवेश करेंगे। नारायण सेवा संस्थान के मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी ने बताया कि समारोह में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा सहित देश के विभिन्न राज्यों के जोड़ो एक-दूसरे के जीवन साथी बनेंगे। इनमें 26 दिव्यांग एवं 25 गरीब परिवारों के जोड़े हैं। उनका यहां पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि इनमें किसी का भावी जीवन साथी जन्मजात प्रज्ञाचक्षु है, तो उसका साथी अपनी आंखों से उसकी राहों को रोशन कर देगा। कोई एक पांव से अक्षम है तो कोई दोनों पांव से, उनके साथी उनका सहारा बनकर गृहस्थी के सुंदर सपने बुनने को उत्साहित हैं। विवाह स्थल पर 51 वेदियां तैयार की गई है, प्रत्येक वेदी पर अग्निकुंड के सात वचनों व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सात फेरे दिलवाने के लिए आचार्य मौजूद रहेंगे। सामूहिक विवाह के संयोजक रोहित तिवारी ने कहा कि विवाह समारोह का आरंभ 31 अगस्त को सुबह संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश *मानव*, सहसंस्थापिका कमला देवी, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, वंदना अग्रवाल के सान्निध्य में गणपति स्थापना, हल्दी

व मेहंदी रचाने के साथ होगी। शाम को महिला संगीत का आयोजन होगा। इसमें देशभर से मेहमान और धर्म माता-पिता व कन्यादानी हिस्सा लेंगे। एक सितंबर को विवाह में दूल्हा-दुल्हन सभी परंपरागत रस्मों का निवर्हन करेंगे। वर-वधु को आशीर्वाद देने दिल्ली, अहमदाबाद, गुजरात, जयपुर, लखनऊ, रायपुर, कोलकाता, रांची, चंडीगढ़, भोपाल, इंदौर, मुंबई, हैदराबाद, शिमला आदि शहरों से 1500 से अधिक घराती-बाराती आदि मेहमान आएंगे। संस्थान के जनसंपर्क प्रमुख भगवान प्रसाद गौड़ ने बताया कि विवाह समारोह की थीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम है जिसमें विवाहोपरांत वर-वधु को विवाह स्मृति में घर आंगन में रोपने के लिए एक-एक पौधा प्रदान किया जाएगा। विवाह में कन्यादानियों (धर्म-पिता), जोड़ों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा। पाणिग्रहण संस्कार के बाद वधुओं को डोली में बिठाकर परिसर के बाहर खड़े वाहनों तक विदा किया जाएगा। इस 42वें नि:शुल्क दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह समारोह का पोस्टर जारी किया गया।

रोजगार नहीं दिला सके तो कम से कम शव तो वापस ला दो : सुरजेवाला

कैथल (हिंस)। कैथल के गांव बंदराना के रहने वाले युवक की बेलारूस में मौत हो गई है। युवक की मौत के मामले में 22 अगस्त को बेलारूस के दूतावास से सूचना मिली कि विशाल नाम के युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई है। युवक का शव बेलारूस में ही है। जिसके बाद दूतावास ने परिवार को सूचना दी कि यदि शव को वापस नहीं मंगवाया गया, तो बेलारूस सरकार शव का अंतिम संस्कार कर देगी। इसके बाद, स्थानीय पुलिस ने विशाल के घर जाकर इस बात की पुष्टि की कि वह इसी गांव का निवासी है। इसके बाद परिजनों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि विशाल के शव को वापस लाया जाए और उसकी मौत की जांच की जाए। परिजनों का कहना है कि विशाल ने 6 अगस्त को फोन किया था और बताया था कि उसकी टांग में चोट लगी है और वह भारत वापस आना चाहता है। उसने अपने एजेंट से उसे वापस भारत भेजने की अपील भी की थी। हालांकि, एजेंट ने ऐसा नहीं किया और 7 अगस्त से परिवार का संपर्क भी युवक से नहीं हो पाया। कैथल के एसपी राजेश कालिया ने बताया कि उन्हें युवक की मौत की सूचना मिली थी। इस संबंध में उसके परिजनों ने उनसे मुलाकात भीकी थी। वह एजेंट के माध्यम से बेलारूस गया था। किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई है और किसी एजेंट के माध्यम से वह विदेश गया था यह जांच का विषय है। उन्होंने एजेंट के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

जाति आधारित जनगणना, आरक्षण समेत अन्य मुद्दों पर राजद का धरना प्रदर्शन 1 सितंबर को

अररिया (हिंस)। देश भर में जाति आधारित जनगणना कराने एवं बढ़ाई गई 65 फीसदी आरक्षण सीमा को संविधान के नौंवी अनुसुची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर राजद कार्यकर्ता जिला मुख्यालय में 1 सितंबर को एकदिवसीय धरना देगी। राजद कार्यकर्ता समाहरणालय परिसर स्थित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद धरना स्थल पर धरना देगी। राजद जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष मनीष यादव ने शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। राजद जिलाध्यक्ष ने कहा कि तेजस्वी और इंडिया गठबंधन की मांग के बाद भी केंद्र की मोदी सरकार ने जानबूझकर बढ़े हुए आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया। फलस्वरूप अदालत ने इस पर रोक लगा दिया। उन्होंने कहा कि राजद सरकार के आरक्षण विरोधी संविधान विरोधी सोच के खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष कर रही है। इसी कड़ी में यह एकदिवसीय धरना पूरे बिहार में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक केंद्र सरकार देशभर में जाति आधारित जनगणना, बढ़ाई गई 65 फीसदी आरक्षण व्यवस्था को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं करती है, राजद कार्यकर्ता सड़क से सदन तक संघर्ष करते रहेंगे। इस अवसर पर राजद जिला अध्यक्ष के साथ जिला प्रवक्ता जगदीश झा गुड्डू, जिला महासचिव कमाले हक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मो. अजहरुद्दीन, नगर अध्यक्ष सुशील कुमार विश्वास मौजूद थे।

पुलिस व अर्ध सैनिक बलों के जवानो नें निकाला फ्लैग मार्च

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा शहर व गांव में सहायक पुलिस आयुक्त जीत सिंह बेनीवाल के नेतृत्व में खरखौदा शहर व अन्य गावं में पुलिस कर्मचारियो नें मिलकर बीएसएफ के साथ मिलकर फ्लैग मार्च निकाला। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आमजन की सुरक्षा व शातिपूर्वक ढंग से चुनाव को सम्पन्न करवाने को लेकर पुलिस नें अपनी तैयारियाँ शुरु कर दी है। इसी तैयारी में खरखौदा शहर सहायक पुलिस आयुक्त व थाना प्रभारी खरखौदा नें अपने क्षेत्र के गाँव कवाली, मंडोरा, जटोला, सैदपुर, रोहणा व खरखौदा ईलाका में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकालकर लोगो को शांतिपूर्वक तरीके से चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मार्च के दौरान पुलिस नें चुनाव के दौरान आपसी भाईचारे को बनाए रखने की अपील की व लोगों को बताया कि पुलिस आपकी सुरक्षा में दिन रात मुस्तैद है। किसी को भी कानून को हाथ में लेने की इजाजत नही है। पुलिस नें आमजन से अपराध को रोकने में सहायता करने के लिए कही पर भी किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या कोई भी गैरकानूनी कार्य का पता लगते ही पुलिस को सुचित करे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में उपभोक्ताओं ने किया प्रदर्शन

बिहारशरीफ (हिंस)। नालंदा जिले में बेन प्रखंड में बेन पावर ग्रिड के पास ग्रामीण उपभोक्ता और महिलाओं ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना था कि यदि बिजली विभाग उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता तो वे उग्र आंदोलन करेंगी। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं की भीड़ को देखते हुए कनीय अभियंता (जेई) पीछे के रास्ते से निकल गए। प्रदर्शन का नेतृत्व आरटीआई एक्टिविस्ट अरविंद कुमार उर्फ भोली बाबू ने किया। भोली बाबू ने कहा कि बिजली विभाग का रवैया न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि जनता की समस्याओं को भी नजरअंदाज कर रहा है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे आगामी दिनों में व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन करेंगी और आंदोलन को और तेज करेंगी। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्याओं को सुनने की अपील की और स्मार्ट मीटर को वापस लेने की मांग की है।

वेतन की मांग को लेकर नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने किया हंगामा

भागलपुर (हिंस)। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने अपनी वेतन को मांग को लेकर शुक्रवार को नगर निगम परिसर में जमकर हंगामा किया। सफाई कर्मियों का कहना है कि हम लोग सफाई गैंग में काम करते थे और पिछले ढाई महीना पहले हम लोग को हटा दिया गया। उसके बाद भी अभी तक हम लोग को वेतन नहीं दिया गया है। हम लोगों को रोज बुलाया जाता है। यहां आने के बाद भी वेतन नहीं दिया जाता है। हम लोग कर्ज लेकर 18 किलोमीटर की दूरी तय कर रोज नगर निगम आते हैं और फिर यहां से शाम में बिना वेतन लिए वापस चले जाते हैं। वहीं नगर निगम के प्रभारी विकास हरि ने कहा कि वेतन का मामला था। इसलिए कागजी प्रक्रिया होने के बाद ही वेतन दिया जा सकता है। इन लोगों का बिल ट्रेजरी भेजा जा चुका है। कल इन लोगों के खाते में वेतन चला जाएगा।

सिंगापुर एयरलाइंस को विलय के लिए केंद्र सरकार से मिली एफडीआई की मंजूरी

नई दिल्ली।
टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच संयुक्त उद्यम विस्तारा का एयर इंडिया में विलय हो रहा है। इसके लिए सिंगापुर एयरलाइंस को भारत सरकार से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरी मिल गई है। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद सिंगापुर एयरलाइंस विलय समझौते के तहत एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी।

विमानन कंपनी सिंगापुर एयरलाइंस ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसे प्रस्तावित विलय के हिस्से के रूप में एयर इंडिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए भारत सरकार से मंजूरी मिल गई है। कंपनी के मुताबिक इस मंजूरी मिलने के साथ ही यह विलय समझौता इस साल के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। इस सौदे से दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का गठन होने की उम्मीद है।

दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का गठन होने की उम्मीद

इस बीच देश की तीसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी विस्तारा ने जारी बयान में कहा कि वह अपने ब्रांड के तहत 11 नवंबर, 2024 को अंतिम उड़ान का परिचालन करेगी। दरअसल ऐसा इसलिए, क्योंकि सिंगापुर बेस्ड एयरलाइन का विलय एयर इंडिया के साथ फाइनल हो गया है। अब 12 नवंबर, 2024 से विस्तारा के सभी फ्लाइट्स का संचालन एयर इंडिया ही करेगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग भी एयर इंडिया के वेबसाइट से होगी।

टाटा की अगुवाई वाले एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने जारी एक बयान में कहा कि नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद विस्तारा के विमानों और चालक दल के सदस्य 12 नवंबर को एयर इंडिया में शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

चेन्नई में बनेगा 10जी-100जी नेटवर्क टेस्टबेड

चैन्नई। नोकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित करने का समझौता किया जाएगा। यह टेस्टबेड अल्ट्रा-हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस और तेज बैंडविड्थ के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगा। शुक्रवार को मल्टीनेशनल टेलीकॉम कंपनी नोकिया एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी। यह टेस्टबेड नोकिया की 10 गीगाबिट , 25जी, 50जी, और 100जी पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स में तकनीकी नवाचारों का नेतृत्व करेगा। करीब 450 करोड़ रुपए के निवेश से यह केंद्र स्थापित किया जाएगा और नोकिया की प्रमुख अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में से एक बनेगा। यह फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, मल्टी-ड्वेलिंग यूनिट सॉल्यूशंस, एक्सेस नेटवर्क्स और होम कंट्रोलर्स पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर सैन फ्रांसिस्को में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में किए जाएंगे, जो अमेरिका की 17 दिवसीय यात्रा पर हैं।

एथनॉल उत्पादन में गन्ना रस, चीनी सिरप का कर सकेंगे उपयोग

नई दिल्ली। सरकार ने एथनॉल उत्पादन मे गन्ना रस और चीनी सिरप मिलाने की अनुमति दे दी है। सरकार ने दिसंबर 2023 में घरेलू खपत के लिए पर्याप्त चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए ईएसवाई 2023-24 (दिसंबर-नवंबर) में एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ना रस या चीनी सिरप के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। खाद्य मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि चीनी मिलों और डिस्टिलरी को ओएमसी (तेल विपणन कंपनियों) के साथ समझौते एवं आवंटन के अनुसार ईएसवाई 2024-25 के लिए गन्ना शीरा या चीनी सिरप, बी-हैवी शीरा के साथ-साथ सी-हैवी शीरा से एथनॉल का उत्पादन करने की अनुमति है। खाद्य मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय समय-समय पर देश में चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग की समीक्षा करेंगे, ताकि घरेलू खपत के लिए चीनी की साल भर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

गे, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर भी खोल सकेंगे संयुक्त खाता

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने और समलैंगिक रिश्ते में रहने वाले व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में परामर्श जारी कर कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि समलैंगिक समुदाय के व्यक्तियों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने तथा समलैंगिक संबंध वाले किसी व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मंत्रालय की ओर से लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर समुदाय (एलजीबीटी) के लिए यह सलाह 17 अक्टूबर, 2023 को दिए गए उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के मद्देनजर जारी की गई है। वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 21 अगस्त, 2024 को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को इस संबंध में स्पष्टीकरण भी जारी किया गया है। आरबीआई ने 2015 में बैंकों को निर्देश दिया था कि वे अपने सभी फॉर्मों और आवेदनों में एक अलग कॉलम शामिल करें, ताकि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को बैंक खाते खोलने और संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिल सके। साल 2015 के आदेश के बाद कई बैंकों ने ट्रांसजेंडरों के लिए सेवाएं शुरू की हैं। ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 2022 में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रेनबो सेविंग्स अकाउंट शुरू किया। इसमें उच्च बचत दरों और उन्नत डेबिट कार्ड सुविधाओं सहित कई सुविधाएं प्रदान की गई थीं।

आसमान पर शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

बाजार की मजबूती से निवेशकों को 1.91 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के नए रिकॉर्ड के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव भी होता रहा। इसके बावजूद शेयर बाजार ऑल टाइम हाई क्लोजिंग के नए रिकॉर्ड के साथ बंद हुआ।

शुक्रवार को कारोबार के दौरान रियल्टी, फार्मास्यूटिकल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि एफएमसीजी इंडेक्स दबाव में कारोबार करता नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की छलांग लगा कर के कारोबार का अंत किया।

शुक्रवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 464.47 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.56 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.91 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

शुक्रवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,045 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,239 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,687 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। वहीं, 119 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,349 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,373 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 976 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 502.42 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,637.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक फिसल कर 82,256.02 अंक के स्तर तक गिर भी गया। हालांकि खरीदारी के जोर की वजह से ये सूचकांक पूरे दिन हरे निशान में ही कारोबार करता रहा?। दिनभर की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 231.16 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 82,365.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने शुक्रवार को 97.75 अंक की छलांग लगा कर ऑल टाइम हाई के नए रिकॉर्ड के साथ 25,249.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में इस सूचकांक में भी गिरावट आई, लेकिन खरीदारों ने लगातार अपना जोर बनाए रखा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में ज्यादा कमजोरी नहीं आई। उतार-चढ़ाव के बीच ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 116.40 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,268.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन हुई खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी 83.95 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,235.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सिप्ला 2.25 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.93 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.73 प्रतिशत, डिवीज लेबोरेट्रीज 1.62 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 1.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ शुक्रवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स 0.92 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.74 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.66 प्रतिशत, आईटीसी 0.63 प्रतिशत और कोल इंडिया 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

बिहार-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

नई दिल्ली।
भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फेरबदल किया है जिसके अनुसार बिहार और यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के भावों में हल्की गिरावट देखी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए रेट अपडेट करती है। तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक बिहार-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। बिहार में पेट्रोल 22 पैसे घटकर 107.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 21 पैसे घटकर 93.81 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं यूपी में पेट्रोल 31 पैसे घटकर 94.25 रुपये प्रति लीटर और डीजल 7 पैसे घटकर 87.57 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके इलावा महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 20 पैसे घटकर 104.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे घटकर 90.77 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बनाई 5,000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिए संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी ने हाल ही में अपना पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेश किया। निदेशक मंडल की धन जुटाने वाली समिति ने क्यूआईपी के लिए 1,755.09 रुपये प्रति शेयर की न्यूनतम कीमत को मंजूरी दी है। कंपनी ने जुलाई में अपने शेयरधारकों से सार्वजनिक या निजी नियोजन के जरिये पूंजी जुटाने की मंजूरी ली थी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश के अग्रणी डेवलपर में से एक है, जिसकी दक्षिण भारत के बाजार में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। कंपनी ने मुंबई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाजारों में भी प्रवेश किया है।

कोरोना महामारी के बाद वीजा आवेदन की संख्या में आई तेजी : रिपोर्ट

नई दिल्ली ।
कोरोना महामारी के बाद से भारत में वीजा आवेदन की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वीजा आवेदन को लेकर एक वीजा सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ने एक रिपोर्ट जारी की है।

इस रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 की महामारी के बाद से वीजा आवेदन की संख्या में तेजी देखने को मिली है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ें बताते हैं कि कोरोना महामारी के बाद विदेश यात्रा भी बढ़ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून में वीजा आवेदन की संख्या में महामारी के पहले के स्तर को पार कर दिया है। यह आवेदन 2019 की पहली छमाही की तुलना में 2 फीसदी ज्यादा है।

वहीं, वर्ष 2023 की तुलना में आवेदन की संख्या 11 फीसदी बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक पर्सनलाइज्ड सर्विस में वीजा एट योर डोर स्टेप (वीएवायडी) की मांग में भी वृद्धि हुई है। साल 2019 की तुलना में वीएवायडी की मांग में चार गुना वृद्धि देखने को मिली है। वही, 2023 की पहली छमाही की तुलना में वीएवायडी में 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वीज़ा एट योर डोर स्टेप में आवेदक घर या फिर किसी भी स्थान से वीजा आवेदन के प्रोसेस को पूरा कर सकते हैं और बायोमेट्रिक एंट्रोलमेंट सर्विस का लाभ भी उठा सकते हैं।

तमिलनाडु सरकार ने माइक्रोचिप, नोकिया और पेपाल सहित कई निवेशकों के साथ किए समझौते

चेन्नई।
तमिलनाडु सरकार ने राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अमेरिका यात्रा के दौरान माइक्रोचिप, नोकिया और पेपाल सहित कई संभावित निवेशकों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। गाइडेंस टीएन ने मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री टीआरबी राजा की उपस्थिति में माइक्रोचिप के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

माइक्रोचिप का प्रतिनिधित्व पैट्रिक जॉनसन और ब्रूस वेयर ने किया। इसके तहत सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना चेन्नई के सेम्मंचेरी में की जाएगी। इसकी लागत 250 करोड़ रुपये होगी और इससे 1,500 नौकरियों के अवसर मिलने की उम्मीद है। राजा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उद्योग मंत्री डॉ. टीआरबी. राजा की उपस्थिति में गाइडेंस टीएन नोकिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दुनिया में सबसे बड़े फिक्स्ड नेटवर्क टेस्ट बेड के रूप में नोकिया के नए अनुसंधान एवं विकास केंद्र को 10जी, 25जी, 50जी और 100 जीपीओएन फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, एमडीयू समाधानों में नवाचारों के लिए, एसआईपीसीओटी सिरुसेरी, चेंगलपट्टू में 450 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जाएगा, जिससे 100 नौकरियों का सृजन होगा। स्टालिन 2030 तक राज्य को एक अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए की जा रही इस महत्वाकांक्षी अमेरिका यात्रा में एक उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में संभावित निवेशकों के साथ एक बैठक की। तमिलनाडु सरकार ने एप्लाइड मैटेरियल्स, गीकमाइंड्स, यील्ड इंजीनियरिंग सिस्टम के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर किए। मुख्यमंत्री स्टालिन 31 अगस्त को तमिल समुदाय को संबोधित करेंगे। इसके बाद दो सितंबर को वह शिकागो में अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे तथा उनसे तमिलनाडु में निवेश करने का आह्वान करेंगे। यात्रा के दौरान वह फॉर्च्यून 500 कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से मिलेंगे। वह 14 सितंबर को चेन्नई लौटेंगे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल सांकेतिक तेजी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद हरे निशान में बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख बना हुआ है।

टेक कंपनियों के शेयर में आई गिरावट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव का माहौल बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.22 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 5,591.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,516.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स शुक्रवार को फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 41,337.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,379.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स में 0.83 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,640.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 130.28 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,912.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

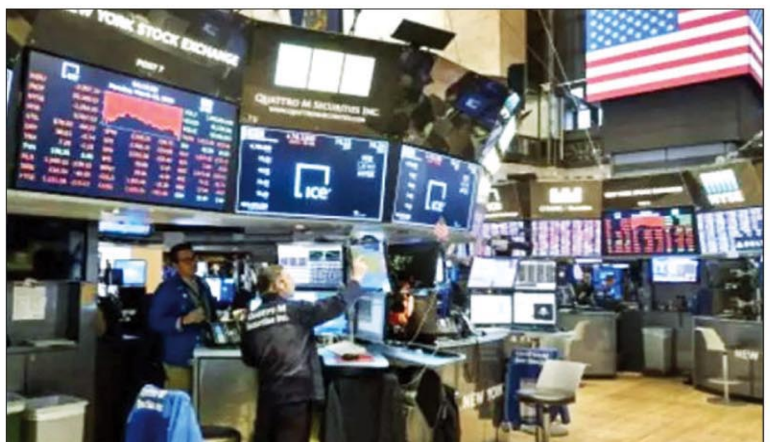

एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को मजबूती बनी हुई नजर आ रही है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,335.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 3,423.34 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने शुक्रवार को जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 322.24 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,108.56 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 186.79 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,549.32 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में भी जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,860.89 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,659.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत मजबूत होकर 1,360.97 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,675.57 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,263.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

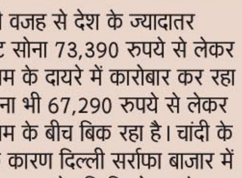

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुक्रवार की गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,390 रुपये से लेकर 73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,290 रुपये से लेकर 67,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 88,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बीसीबी बोर्ड के वित्त की जांच के लिए नियुक्त करेगा स्वतंत्र ऑडिट फर्म

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने घोषणा की है कि वे बोर्ड के वित्त की जांच के लिए एक नई ऑडिट फर्म नियुक्त करेंगे, जबकि उन्होंने स्वीकार किया कि नजमुल हसन के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार हुआ था, जिन्होंने हाल ही में शीर्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।

फारूक ने शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में अपनी पहली बोर्ड मीटिंग में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, हम देश की शीर्ष चार कंपनियों में से एक को स्वतंत्र ऑडिट फर्म नियुक्त करेंगे। अनियमितताओं का पता लगाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। अगर पिछले कुछ वर्षों में कुछ हुआ है, तो ऑडिट के बाद उसका पता चल जाएगा। अगर कोई अनियमितता पाई जाती है, तो भ्रष्टाचार निरोधक आयोग कार्रवाई करेगा। बोर्ड में कुछ भ्रष्टाचार था। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता और हर कोई इसके बारे में जानता है।

फारूक ने यह भी कहा कि बोर्ड पिछले विश्व कप की असफलता की मूल्यांकन रिपोर्ट को फिर से खोलना चाहता है और कुछ अन्य रिपोर्टों पर भी गौर करना चाहता है, जो बोर्ड को सौंपे जाने के बाद शायद ही कभी प्रकाश में आई हों। हाल ही में, बीसीबी के निदेशक अकरम खान, जो 2023 विश्व कप की रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाली मूल्यांकन समिति के तीन सदस्यों में से एक हैं, ने जोर देकर कहा कि उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए।

फारुक ने कहा, पिछले विश्व कप की एक रिपोर्ट है, जबकि कुछ अतीत की रिपोर्टें हैं (जो प्रकाश में नहीं आई हैं) और मैंने सीईओ से कहा कि मैं उन्हें देखना चाहता हूं और रिपोर्ट देखने के बाद निर्णय लूंगा।

उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से तर्कसंगत है (इसे सार्वजनिक करना) और मैं इसे लोगों के सामने लाना चाहता हूं और चूंकि मैं इसका हिस्सा नहीं हूं, इसलिए इसे प्रकट करने में कोई समस्या नहीं है और मैं इसे दुनिया के सामने लाना चाहता हूं।

अगर विश्व कप मूल्यांकन रिपोर्ट पर विचार किया जाता है, तो चंदिका हथुरुसिंघा का मुख्य कोच के रूप में अधिक समय तक बने रहना संभव नहीं है। यह समझा जाता है कि मूल्यांकन समिति ने श्रीलंकाई पर उंगली उठाई थी और उन्हें बांग्लादेश की विश्व कप की पराजय के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार ठहराया था। मुख्य कोच के रूप में हथुरुसिंघा का वर्तमान अनुबंध चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अंत तक है। फारुक ने कहा, मैं बोर्ड का अध्यक्ष हूं और इसलिए मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिससे लगे कि मैं निरंकुश हो गया हूं। मैं तानाशाह नहीं बनना चाहता। हमने हथुरूसिंघा के बारे में बात की है। हम इस मामले पर उसी तरह विचार करेंगे जैसे हमने शाकिब के मामले को संभाला था। मैंने कहा कि हम टेस्ट सीरीज के बीच में कुछ नहीं करना चाहते।

उन्होंने कहा, हम अभी दौरे के बीच में हैं। अध्यक्ष के तौर पर आप कोई भी फैसला ले सकते हैं लेकिन हमें टीम को परेशान न करने के बारे में सोचना होगा। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं (हथुरूसिंघा के साथ क्या किया जा सकता है) और सभी की राय लेने की कोशिश करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप- पूजा सिंह नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ ऊंची कूद के फाइनल में

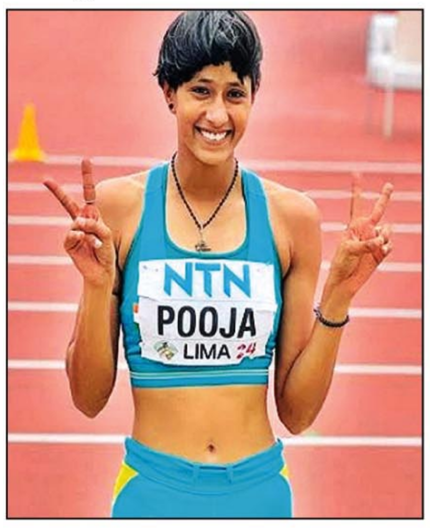

लीमा (पेरू)। भारतीय एथलीट पूजा सिंह ने लीमा में चल रही विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में महिलाओं की ऊंची कूद के क्वालिफिकेशन दौर में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ 9वें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। 17 वर्षीय पूजा ने 1.83 मीटर की ऊंचाई पार करके गुरुवार देर रात महिलाओं की ऊंची कूद के क्वालीफिकेशन राउंड ग्रुप बी में दूसरा और कुल मिलाकर नौवां स्थान प्राप्त किया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ वह 31 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गईं। इससे पहले पूजा सिंह का बेस्ट प्रदर्शन कोरिया में 20वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.82 मीटर का था। उन्होंने इस प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था।

लिवरपूल ने जुवेंटस के इतालवी विंगर फेडेरिको चिएसा के साथ किया करार

लंदन। लिवरपूल ने 10 मिलियन पाउंड (13 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की शुरुआती फीस पर जुवेंटस से इतालवी विंगर फेडेरिको चिएसा के साथ करार किया है। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस गर्मी में आर्ने स्लॉट की टीम में शामिल होने के लिए चार साल का अनुबंध किया है (हालांकि लिवरपूल ने गोलकीपर जियोर्जी ममारदाशविली को भी अनुबंधित किया है और उन्हें वेलेंसिया को वापस ऋण पर दिया है)। चिएसा ने अपने करियर की शानदार शुरुआत की और वेम्बली में इटली की यूरो 2021 जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन जनवरी 2022 में घुटने की चोट के बाद पिछले दो वर्षों में फॉर्म के लिए संघर्ष किया है। चिएसा ने कहा, मैं लिवरपूल का खिलाड़ी बनकर बहुत खुश हूँ। जब रिचर्ड ह्यूजेस (लिवरपूल के खेल निदेशक) ने मुझे बुलाया और उन्होंने पूछा, क्या आप लिवरपूल में शामिल होना चाहते हैं - मैंने तुरंत हाँ कह दिया क्योंकि मैं इस क्लब का इतिहास जानता हूँ, मैं जानता हूँ कि यह प्रशंसकों के लिए क्या दर्शाता है। इसलिए, मैं बहुत खुश हूँ। विंगर को एफसी बार्सिलोना से भी दिलचस्पी होने की संभावना है, लेकिन स्पेनिश क्लब की वित्तीय निष्पक्षता मानदंडों को पूरा करने में समस्याओं का मतलब था कि उनके द्वारा उन्हें अपनी पहली टीम में शामिल करने की बहुत कम संभावना थी।

अंडर-19 क्रिकेट पुरुष वर्ग के फाइनल ट्रायल में हिस्सा लेंगे जोन के 21 खिलाड़ी कमला क्लब होगा फाइनल ट्रायल

मुरादाबाद। मुरादाबाद डिस्ट्रिक स्पोर्टर्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने

शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के तत्वावधान में 2 सितंबर को कमला क्लब कानपुर में अंडर-19 क्रिकेट पुरुष वर्ग का फाइनल ट्रायल आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुरादाबाद जोन के 21 खिलाड़ी ट्रायल देंगे। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि जोन के मणि चौधरी, साहिल सिंह, मोहम्मद उस्मान, कुशल यादव, अमन नवाब, गगनदीप सिंह, सुरजीत सिंह, शाहरुख, मतीन खान, मोहम्मद तहजीब, मोहम्मद अयाज, नावेद खान, रोनित चौधरी, शुएब, शब्बीर, अरबाज, कृष्णा यादव, हर्षित विश्नोई, सार्थक चौधरी, चरित्र चौहान, पृथ्वी त्यागी फाइनल ट्रायल देंगे। उन्होंने आगे कहा कि सभी खिलाड़ियों से अनुरोध है कि वे अपनी मूल जन्मतिथि प्रमाण पत्र साथ लेकर जाएं। रजिस्ट्रेशन के लिए मांगे गए सभी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड भी ले जाना आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को 2 सितम्बर को सुबह 8 बजे तक कमला क्लब कानपुर में रिपोर्ट करना है।

पेरिस पैरालंपिक – 2024

स्टार शूटर अवनि ने जीता स्वर्ण मोना को मिला कांस्य पदक

पेरिस। भारत की स्टार पैरा शूटर अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में कमाल कर दिया है। टोक्यो पैरालंपिक में भारत को एक स्वर्ण समेत दो पदक दिलाने वाली अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उन्होंने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। अवनि के बाद शूटर मोना अग्रवाल ने भी कमाल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया है। इन दो पदकों के साथ ही पेरिस पैरालंपिक में भारत का खाता खुल गया है। भारत के नाम एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है।

पेरिस पैरालंपिक में शुक्रवार को दूसरे दिन पैरा शूटर अवनि लेखरा ने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में 249.7 का स्कोर बनाया और स्वर्ण पदक जीता। अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक में 249.6 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस बार उन्होंने 249.7 का स्कोर बनाया। इस तरह उन्होंने अपने ही पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी के साथ अवनि पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई हैं।

इस स्पर्धा में दूसरे नंबर पर दक्षिण कोरिया की युनरी ली रहीं, जिन्होंने 246.8 का स्कोर बनाया और रजत पदक हासिल किया। वहीं, भारतीय शूटर मोना ने 228.7 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक अपने नाम किया।

बैडमिंटन में नितेश कुमार ने जीता अपना दूसरा ग्रुप स्टेज मैच, मनोज सरकार हारे

3भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 में अपने दूसरे ग्रुप स्टेज मैच में शानदार जीत दर्ज की है। वहीं पैरा शटलर मनोज सरकार को अपने दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा है। नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप चरण ए के अपने दूसरे मैच में चीन के यांग जियानयुआन को सीधे सेटो में 21-5, 21-11 से हरा दिया। नितेश का अगला मुकाबला शनिवार (31 अगस्त) को थाईलैंड के खिलाड़ी बन्सुन मोंगखोन से होगा। पैरा शटलर मनोज सरकार अपने दूसरे ग्रुप स्टेज मैच में थाईलैंड के बन्सुन मोंगखोन से हार गए। मनोज को 19-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। वह अब अपने अगले मैच में 31 अगस्त को चीन के खिलाड़ी यांग जियानयुआन से भिड़ेंगे।

मानसी जोशी का महिला एकल स्पर्धा में अभियान समाप्त

भारत की मानसी जोशी महिला एकल एसएल 3 ग्रुप ए मैच में यूक्रेन की ओक्साना कोज़िना से मिली हार के बाद पैरालिंपिक से बाहर हो गई हैं। ग्रुप ए में अपने शुरुआती मैच की तरह, मानसी ने शुरुआती सेट में बढ़त हासिल की, लेकिन अगले दो सेट हार गईं। मानसी ने मैच में अच्छी शुरुआत की और पलक झपकते ही, उसने शुरुआती सेट में 21-10 से जीत हासिल की और 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे सेट में, ओक्साना ने शानदार तरीके से जवाब दिया और एक प्रभावशाली समग्र प्रदर्शन के साथ बाजी पलट दी।

पाक-बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश में धुला

रावलपिंडी। लगातार बारिश के कारण शुक्रवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन धुल गया। पिछले सप्ताह इसी मैदान पर ऐतिहासिक 10 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है।

खिलाड़ी और टीम के अधिकारी होटल में ही रुके रहे और अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार दोपहर 12.05 बजे खेल को रद्द कर दिया, क्योंकि बारिश जारी थी और आउटफील्ड जलमग्न हो गई थी। दोनों टीमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग के निचले आधे हिस्से में हैं, जिसमें बांग्लादेश सातवें और पाकिस्तान आठवें स्थान पर है।

पिछले साल शान मसूद को कप्तान बनाए जाने के बाद से लगातार चार टेस्ट मैच हारने वाली पाकिस्तान ने दिसंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद से कोई घरेलू टेस्ट नहीं जीता है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेष चार टेस्ट मैच ड्रॉ रहे।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए खराब फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को टीम से बाहर कर दिया और लेग स्पिनर अबरार अहमद के साथ बाएं हाथ के दूसरे गेंदबाज मीर हमजा को टीम में शामिल किया।

अफरीदी, जो आठ महीने में अपना पहला टेस्ट खेल रहे थे, अप्रभावी रहे और उन्हें पाकिस्तान द्वारा तीसरी नई गेंद लेने तक इंतजार करना पड़ा, जिसके बाद बांग्लादेश ने 2 विकेट पर 88 रन बनाए। पाकिस्तान ने 448-6 के स्कोर पर पारी घोषित की, जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 565 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

अबरार को पहले टेस्ट टीम से आश्चर्यजनक रूप से बाहर कर दिया गया और उन्हें इस्लामाबाद में बांग्लादेश 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच में खेलने के लिए कहा गया और 28 साल बाद घरेलू टेस्ट मैच में ऑल-आउट पेस अटैक के साथ उतरने की पाकिस्तान की चाल उल्टी पड़ गई। इसके विपरीत, बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन और ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज ने नाटकीय पांचवें दिन मिलकर सात विकेट लिए और पाकिस्तान को 14 टेस्ट मैचों में बांग्लादेश के खिलाफ अपने सबसे कम स्कोर 146 पर समेट दिया। इसके बाद जरूरी 18 रन बिना किसी नुकसान के हासिल कर मैच जीत लिया।

यूएस ओपन : 2 बार की चैंपियन नाओमी ओसाका दूसरे दौर में हारकर बाहर

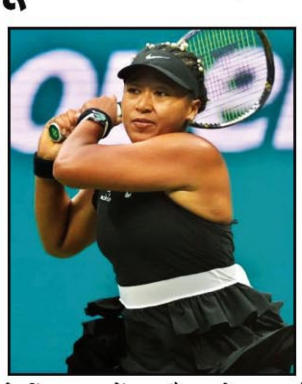

न्यूयॉर्क। दो बार की चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका की अमेरिकी ओपन में वापसी दूसरे दौर में समाप्त हो गई, जब वह 52वीं रैंकिंग की चेक गणराज्य की कैरोलिन मुचोवा से 6-3, 7-6 (7/5) से हार गईं।

2018 और 2020 में विजेता रहीं जापान की ओसाका अपनी बेटी शाई के जन्म के कारण पिछले साल प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं। 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से वह किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे दौर में आगे नहीं बढ़ पाई हैं। कोर्ट पर वापसी में ओसाका को अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है, शुरुआती दौर में जेलेना ओस्टापेंको के खिलाफ उनकी जीत चार साल में शीर्ष दस में स्थान पाने वाली किसी महिला पर उनकी पहली जीत दर्ज थी। दूसरी तरफ मुचोवा पिछले साल न्यूयॉर्क में सेमीफाइनलिस्ट थी और कलाई की सर्जरी के कारण नौ महीने तक बाहर रहने से पहले दुनिया में नौवें स्थान पर थीं।

ओसाका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में शानदार वापसी करते हुए अच्छी शुरुआत की, जहाँ 2018 में उन्होंने सेरेना विलियम्स को हराकर पहली ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की थी। इस बार, ओसाका स्पॉटलाइट के लिए डिज़ाइन किए गए काले रंग के कस्टमाइज़्ड नाइकी आउटफिट में कोर्ट पर उतरीं। उन्होंने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे शुरुआती ब्रेक पॉइंट का फ़ायदा उठाने में विफल रहीं और मुचोवा द्वारा नेट पर लगातार दबाव बनाए रखने के दौरान कई गलतियाँ कीं। चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने लगातार पाँच गेम जीते और शुरुआती सेट में 4-3 की बढ़त हासिल की और अंत में पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में 1-1 की बराबरी पर कड़ी पकड़ के साथ, ओसाका ने मुचोवा की सर्विस तोड़कर 5-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, उन्होंने अगले गेम में तीन सेट के मौके गंवाए, जिससे मुचोवा को फिर से बढ़त हासिल करने का मौका मिला। ओसाका ने फिर एक लंबे फोरहैंड के साथ सेट को बराबर कर दिया। इसके बाद मैच टाईब्रेकर में गया, जहां मुचोवा ने बाजी मारी।

पिकलबॉल : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाने आएंगे भारत

अगासी बोले-मैं भारत आने और पिकलबॉल के रोमांच को इसके प्रशंसकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हूं

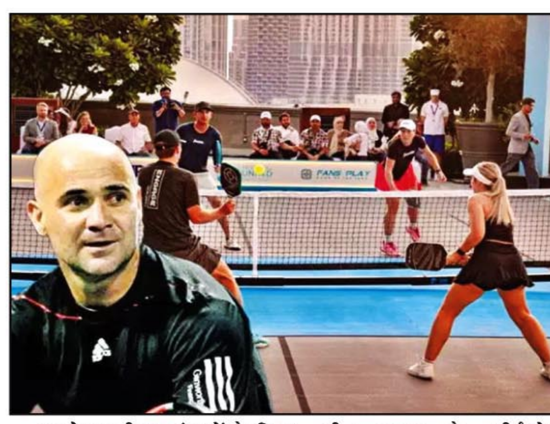

नई दिल्ली। आठ बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी जनवरी 2025 में भारत का दौरा करेंगे और आधिकारिक तौर पर पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाएंगे, जो एक भव्य पिकलबॉल टूर है।

आठ ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के साथ अपने शानदार टेनिस करियर के लिए जाने जाने वाले अगासी, जिन्होंने चार ऑस्ट्रेलियाई ओपन, एक फ्रेंच ओपन, एक विंबलडन और दो यूएस ओपन शामिल हैं, साथ ही 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं, ने इस उद्यम का हिस्सा बनने के लिए अपनी खुशी व्यक्त की।

अपने भारतीय प्रशंसकों के लिए अगासी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, मैं भारत आने और पिकलबॉल के रोमांच को इसके प्रशंसकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हूं। मैं पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह देश में एक बड़ी सफलता होगी।

अगासी की आगामी को लेकर पीडब्ल्यूआर के सीईओ और संस्थापक प्रणव कोहली ने कहा, हम आंद्रे अगासी का भारत में स्वागत करते हुए बेहद रोमांचित हैं, क्योंकि वह पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग को हरी झंडी दिखाएंगे। उनकी भागीदारी भारत और विश्व स्तर पर पिकलबॉल को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों को जबरदस्त बढ़ावा देती है। खेल के प्रति अगासी का जुनून और खेल की दुनिया में उनकी महान स्थिति निश्चित रूप से खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रेरित करेगी, और हमें विश्वास है कि यह लीग भारत में पिकलबॉल के लिए नए मानक स्थापित करेगी।

विशेष रूप से, पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग से पहले, पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स (बैटल ऑफ द लीग- स्टेज 1 सहित) पीडब्ल्यूआर 700 इवेंट 24 से 27 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगा। बैटल ऑफ द लीग की प्रत्येक श्रेणी में जीतने वाली टीमें यूएसए में डीयूपीआर नेशनल्स में एक स्थान सुरक्षित करेंगी, जिसमें पीडब्ल्यूआर उनकी यात्रा और आवास का खर्च वहन करेगी।

पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इवेंट्स को इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन (भारत में शीर्ष पिकलबॉल निकाय), एशियन पिकलबॉल एसोसिएशन और ग्लोबल पिकलबॉल फेडरेशन (पिकलबॉल का नियम बनाने वाला और आधिकारिक विश्व शासी निकाय) द्वारा मंजूरी मिली है।

हम वापसी करेंगे, यह सिर्फ टीम नहीं मेरा परिवार है : राजन चोपड़ा

नई दिल्ली। वेस्ट दिल्ली लायंस को भले ही अपने हालिया मैचों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा हो, लेकिन टीम के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा टीम को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। टीम के आशाजनक प्रदर्शन न करने के बावजूद भी उन्हें इस बात से काफी तसल्ली है कि दिल्ली के खिलाड़ी अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के मंच पर चमक रहे हैं।

ज्ञात हो कि गुरुवार को बारिश के चलते बाधित हुए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 7 विकेट से हरा दिया था। वेस्ट दिल्ली लायंस ने भरपूर प्रयास किया, लेकिन इंद्र देवता को कुछ और ही मंजूर था।

वेस्ट दिल्ली लायंस टीम के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा ने कहा, टीम के लिहाज से पिछले कुछ गेम कठिन रहे हैं, लेकिन दिल्ली के सभी खिलाड़ी मेरे लिए एक परिवार की तरह है। मुझे इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता की कौन सी टीम मैच जीत रही है, अच्छी बात यह है दिल्ली के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह मेरे लिए एक परिवार की तरह हैं और मेरी शुभकामनाएं हमेशा उनके साथ हैं।

डॉ. राजन चोपड़ा ने टीम को संदेश देते हुए कहा, जीत हार अपनी जगह है, आप लोग परिणाम की चिंता किए बिना मैदान पर अपना शत प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने अपने खिलाड़ियों को उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन की परवाह किए बिना निडर होकर एक टीम के रूप में खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने आगे कहा, एक मालिक के रूप में मैं खिलाड़ियों को केवल अपना 100 प्रतिशत देने की सलाह देता हूं, परिणाम चाहे कुछ भी हो। मैं हमेशा उन्हें यही सलाह देता हूं कि बिना डरे एक टीम बनकर खेलो, आज नहीं तो कल सफलता निश्चित मिलेगी। फिलहाल वेस्ट दिल्ली शुक्रवार को साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ से मुकाबले की तैयारी में जुटी है।

चोपड़ा ने अपनी टीम की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए कहा, आने वाले खेलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे, हमारा ध्यान नतीजों पर नहीं बल्कि खेलों पर है। हम एक परिवार हैं और परिवार की तरह ही लड़ेंगे।

वेस्ट दिल्ली लायंस टीम

रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल , शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांतडाबला, अब्राहिम अहमद मसूदी।

टी20 विश्व कप के बाद कप्तानी छोड़ देंगी सोफी

वेलिंगटन। सोफी डिवाइन अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड की टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हट जाएंगी। 34 वर्षीय डिवाइन अभी भी वनडे टीम की कप्तान

बनी रहेंगी। डिवाइन ने 2014-15 सीज़न में स्टैंड-इन कप्तान के रूप में और फिर 2020 में एमी सैटरथवेट से पूर्णकालिक भूमिका निभाते हुए 56 टी20 में न्यूजीलैंड का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 25 में जीत दर्ज की है और 28 में टीम को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 1 मैच टाई रहा है। डिवाइन, जो 2006 में अपने पदार्पण के बाद से 135 मैचों में 3268 रन के साथ प्रारूप में न्यूजीलैंड की सर्वकालिक दूसरी सबसे बड़ी स्कोरर हैं, ने कहा कि कार्यभार संतुलन की उनकी इच्छा ने यह निर्णय लिया। डिवाइन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) के हवाले से कहा, मुझे दोनों प्रारूपों में व्हाइट फर्न्स की कप्तानी करने का सौभाग्य मिलने पर बहुत गर्व है।

अपंग बच्चों की ऐसे करें देखभाल
भरें उनमें आत्मविश्वास

घरपरिवार और समाज विशेष बच्चों के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाएं व उन में आत्मविश्वास जगाएं तो वे भी सामान्य लोगों की तरह कामयाबी की मंजिल पा सकते हैं. बस, जरूरत है उन की उचित देखभाल किए जाने की.

शारीरिक रूप से विकलांग न जाने कितने लोग आज अपनेअपने क्षेत्रों में अगर कामयाब हैं तो इस के पीछे उन के मातापिता और परिवार वालों की मेहनत व कोशिशें हैं. उन्होंने उन में आत्मविश्वास भरा और जीवन के प्रति उन की सोच को सकारात्मक बनाए रखा. सच है कि बच्चे पालना कोई बच्चों का खेल नहीं. जन्म से ले कर युवावस्था तक मातापिता अपने बच्चों की देखरेख में जरा सी भी कसर बाकी नहीं रखते. बच्चे तो गीली मिट्टी के समान होते हैं, मातापिता जैसा आकार दें, वे वैसा हो जाते हैं.

जब बात आती है शारीरिक या मानसिक रूप से विशेष बच्चों की देखभाल की तो मातापिता की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं. ऐसे बच्चे को न सिर्फ मानसिक रूप से सकारात्मक रखने की बल्कि शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाए रखने की जरूरत होती है. ऐसे में यदि मातापिता जरा सी भी लापरवाही दिखाते हैं तो बच्चे पर बुरा असर पड़ सकता है और वह खुद को समाज के अन्य बच्चों की तुलना में हीन समझने लगता है.

मानसिक रूप से अपंग बच्चों के पालनपोषण में न सिर्फ उन को शारीरिक रूप से सहयोग देने की जरूरत होती है बल्कि उन के अधूरे मानसिक विकास के कारण हर समय उन के साथ रहने की जरूरत होती है, जो बेहद ही जिम्मेदारी भरा काम है. विकलांगता 2 प्रकार की हो सकती है, शारीरिक और मानसिक. दोनों ही स्थितियों में विकलांग बच्चे की देखरेख में विशेष लालनपालन करने की जरूरत होती है.

आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाएं

शारीरिक रूप से अपंग बच्चे को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास आप बचपन से ही शुरू कर दें. बच्चे को किसी के ऊपर निर्भर रहने का आदी बनाने के बजाय उस को अपने काम खुद करने की आदत डलवाएं.

ऐसे करने से उस में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और वह परिवार वालों पर खुद को बोझ समझने की जगह अपने सारे काम खुद करने में सक्षम होगा. इस के लिए आप को छोटी उम्र से ही उस में आत्मनिर्भरता के गुण भरने की कोशिश शुरू कर देनी चाहिए. बच्चे को धीरेधीरे अपने सभी काम खुद करना सिखाएं व उस में जिम्मेदारी की भावना भरें.

सामान्य बच्चों में अंतर न करें

यदि घर में एक बच्चा अपंग हो और बाकी सामान्य हों तो ऐसी स्थिति में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है. कई बार भाईबहन भी नादानी या शैतानी के चलते अपंग भाई या बहन को उसी की शारीरिक कमजोरी को ले कर टिप्पणी करते हैं. इस से अपंग बच्चे के मन को आघात पहुंचता है. इसलिए मातापिता का यह दायित्व बनता है कि वे अपने सभी बच्चों को आपस में मिलजुल कर रहने की सीख दें. साथ ही, उसे यह भी एहसास न होने दें कि विकलांग होने की वजह से उस की देखभाल ज्यादा हो रही है. यदि आप हर कदम पर अपने अपंग बच्चे की मदद के लिए खड़े रहेंगे तो इस से उसे अपनी शारीरिक कमी का एहसास होगा और वह इस से चिड़चिड़ा हो सकता है. इसलिए उस के अधिकांश काम उस को खुद करने दें.

क्षमता के अनुरूप ही आशाएं रखें

बच्चों की क्षमताओं से ज्यादा की उम्मीद रखने से निराशा हाथ लगती है. इसलिए यह जांच लें कि आप के बच्चे में कितनी क्षमता है, इसी के आधार पर यह निर्णय लें कि वह कहां तक सफल हो सकता है. ज्यादा उम्मीदें लगाना या बच्चे पर उस की क्षमता से अधिक करने का दबाव डालने से आप का बच्चा डिप्रैशन का शिकार हो सकता है.

सहानुभूति वालों को दूर रखें

भोपाल में रहने वाली कविता का कहना है कि 21 वर्षीय मेरा बड़ा बेटा एक पैर से अपाहिज है. पढ़नेलिखने में हमेशा वह अव्वल रहता है. हम ने उस को कभी इस बात का एहसास नहीं होने दिया कि वह शारीरिक रूप से पूर्ण नहीं है.

एक दिन मेरी पड़ोसिन हमेशा की तरह मेरे घर आई और बोली कि मैं आप के बेटे के लिए एक बहुत अच्छा रिश्ता लाई हूं. मेरे दोनों बेटे उस दिन घर में ही मौजूद थे. पड़ोसिन ने छोटे बेटे की तरफ देखते हुए कहा कि इसे तो वे देखते ही पसंद कर लेंगे. इस पर मेरे बड़े बेटे ने सिर झुका लिया और अपने कमरे में चला गया. इस तरह कई बार रिश्तेदार या पड़ोसी आदि कुछ इस तरह की बातें बोल देते हैं जिस से बच्चे के दिल को ठेस पहुंचती है. इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप किसी के घर जा रहे हैं या कोई आप के घर आ रहा है तो इस तरह की कोई बात न हो जिस का संबंध बच्चे की शारीरिक कमियों से हो.

हीनभावना न पनपने दें

सुषमा के 5 बच्चों में सब से बड़े के एक पैर में पोलियो और छोटी बेटी के दोनों पैरों में पोलियो के कारण वे चलनेफिरने में असमर्थ हैं. सुषमा का कहना है कि घर में बड़ी संतान होने के नाते मेरे बेटे ने बिना इस बात की परवा किए कि वह एक पैर से लाचार है, अपने सारे कर्तव्य पूरे किए. उस ने न सिर्फ एमए तक पढ़ाई कर के अच्छी नौकरी हासिल की बल्कि अपनी अपंग बहन को रोजाना स्कूल और कालेज लाने, ले जाने का काम भी उस ने पूरा किया.

हर समय देखरेख की जरूरत होती है

रोहिणी निवासी काजल का 15 वर्षीय बेटा जन्म से ही विकलांग है. काजल का कहना है कि जब उस का बेटा पैदा हुआ था उसी समय डाक्टरों ने बताया कि इस के दिमाग का एक हिस्सा काम नहीं कर रहा है. इस के कारण वह बोल पाने में तो असमर्थ है ही, चलफिर भी नहीं सकता. हमारे बच्चे में ये सब दोष हैं, यह सोच कर दुख तो हुआ लेकिन हम ने अपने बेटे के लालनपालन व उस की देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ी.

किसी से तुलना करना ठीक नहीं

शारीरिक और मानसिक रूप से अविकसित या कमजोर बच्चों को अकसर दया का पात्र व मुख्यधारा से कटा हुआ माना जाता है. जबकि सचाई यह है कि उन को किसी की दया की नहीं, बल्कि आप के सहयोग व प्रेम की जरूरत होती है. इस में पेरैंट्स व परिवार के सदस्यों की अहम भूमिका होती है. अपंग बच्चे की तुलना न तो सामान्य बच्चों से करें और न किसी अन्य बच्चे से. यदि आप का बच्चा वह काम करने के लिए कदम बढ़ाना चाहता है जो उस के साथी बच्चे करते हैं तो उस को रोकें नहीं. दूसरे बच्चों से तुलना करने की जगह उस की आंतरिक क्षमताओं को पहचान कर उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दें क्योंकि हर व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण होता है. उस के इसी गुण को उभारें और उसे हतोत्साहित करने के बजाय उस के प्रयासों की सराहना करें.

नतीजा यह हुआ कि मेरी बेटी बेशक अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन उस ने बीएड तक पढ़ाई पूरी की और एक हैंडीकैप्ट बच्चों के स्कूल में अध्यापिका के पद पर सेवारत है. आज ये जिस मुकाम पर हैं वहां पहुंचने में इन बच्चों को अन्य सामान्य बच्चों की तुलना में कई गुणा ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, लेकिन इन्होंने हार नहीं मानी. इस के पीछे वजह थी कि हम ने उन में कभी हीनभावना नहीं पनपने दी.

मुझे और मेरे पति को हर समय अपनी सभी इंद्रियां खुली रखनी पड़ती हैं, पलपल अपने बच्चे का ध्यान रखना पड़ता है. उस को रोजाना स्पीच थेरैपी के लिए और मनोचिकित्सक के पास ले कर जाते हैं. वहीं, घर में उस से बात करने की कोशिश करते हैं. दरअसल, वह सुनता और समझता तो सबकुछ है लेकिन बोलने में असमर्थ है. इसलिए हम उस की हर तरह से देखभाल करते हैं.

मनोचिकित्सक डा. आर सी जिलोहा इस बारे में बताते हैं कि अपंगता 2 तरह से होती है, एक मानसिक विकलांगता और दूसरी शारीरिक. दोनों ही परिस्थितियों में विकलांग बच्चे की जरूरतें अलगअलग होती हैं. उसी आधार पर मातापिता को देखना चाहिए कि उन के बच्चे को किस तरह की देखभाल की जरूरत है. मसलन, बच्चा मानसिक रूप से विकलांग है तो उस की क्या जरूरतें हैं और उस की किस तरह से देखभाल करनी है और शारीरिक रूप से विकलांग है तो उस की क्या जरूरतें हैं.

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की समझ थोड़ी कमजोर होती है. ऐसे बच्चों को छोटी से छोटी बातें भी पेरैंट्स को सिखानी पड़ती हैं, जैसे उन को किस तरह से साफसुथरे रहना है, किस तरह से खाना खाना है, किस तरह से अपने सामान को रखना चाहिए आदि. ये हर रोज की जिम्मेदारियां होती हैं मातापिता के कंधों पर.

डा. जिलोहा आगे बताते हैं कि शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों की जरूरतें अलग होती हैं. शारीरिक रूप से विकलांगता कई तरह से हो सकती है जैसे पैरों से अपाहिज होना या देखनेसुनने व बोलने में असमर्थ होना आदि. इन बच्चों में हालांकि सामान्य बच्चों जैसी सारी बातें होती हैं लेकिन वे किसी न किसी रूप में शारीरिक तौर पर अपंग होते हैं. ऐसे बच्चे हीनभावना के शिकार बहुत जल्दी हो जाते हैं.

पेरैंट्स को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि वे विशेष बच्चों को आम बच्चों की तरह से ही ट्रीट करें और उन को आगे बढ़ने का हौसला देते रहें. साथ ही, विशेष बच्चों की सीमा से ज्यादा उन से उम्मीदें लगाना ठीक नहीं है. जितना वे कर रहे हैं या कर सकते हैं उसी में मातापिता संतुष्ट रहें. उन में जो गुण मौजूद है उन को वे पहचानें और उसी आधार पर उन का कैरियर बनाने में उन की मदद करें.

सलाह

इन कामो से दूर करे पेट की गैस

पेट में गैस, यह तो एक आम समस्या है जो बिना उम्र देखे किसी को भी हो जाती है। खासकर, ऐसा तब होता है जब आप कुछ गलत आदतों को अपना लेते हैं। जैसे-देर रात तक जागना, लगातार बैठे रहना या फिर गलत खान-पान आदि। इसलिए आपको सबसे पहले अपनी कुछ आदतों और अपने खान-पान पर ध्यान देना होगा कि आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

जल्दबाजी में न खाएं

कई लोग ऐसे होते हैं जो खाना जल्दबाजी में खा लेते है और जल्दबाजी में खाया हुआ खाना वे अच्छे से चबा नहीं पाते। इससे खाना डाइजेस्ट होने में समय लगाता है और पेट में एसिड बनना शुरू हो जाता है, जिससे कि पेट में गैस की समस्या पैदा होने लगती हैं।

देर रात तक जागना

अगर आपकी देर रात तक जागने की आदत है । तो सबसे पहले अपनी इस आदत को बदल लें। क्योंकि देर रात तक जागने से इंड्रिहाइजेशन की प्रॉबल्म पैदा होती हैं, जिससे कि पेट में गैस बनने लगती है।

लगातार बैठे न रहे

कई बार क्या होता है कि लोग खाना खाने के बाद एक जगह टीक कर बैठे रहते हैं जिससे खाना सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं हो पाता और फिर गैस की प्रॉबल्म बनने लगती हैं।

मीठा ना खाएं

ज्यादा मीठा खाने से भी गैस की प्रॉबल्म बनने लगती हैं। इसलिए जितना हो सके आप मीठा कम ही खाइए।

कोल्ड-ड्रिंक

कोल्ड-ड्रिंक के अंदर ज्यादा मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड बबल्स पाए जाते हैं । जो पेट के अंदर जाकर एसिड पैदा करते हैं, जिससे कि पेट में गैस की समस्या पैदा होने लगती हैं।। इसलिए बेहतर होगा कि आप कोल्ड-ड्रिंक का सेवन कम करें।

जानिए घर पर गुलाब जल बनाने की विधि

मार्केट में अच्छे ब्रांड के गुलाब जल बहुत महंगे होते है और आसानी से मिल ही जाते है लेकिन आज कल गुलाबजल में सुगंध और पानी का घोल मिला देते हैं, जिससे खरीदने वाला बेवकूफ बन जाता है। अच्छा होगा कि आप बेवकूफ न बन कर अपने घर पर खुद ही गुलाब की पंखुडियों से गुलाब जल तैयार कर लें। महंगे गुलाब जल खरीदने के बाद भी मन में एक संदेह रह जाता है की क्या यह असली है या नकली, तो सब बातों को छोडो और आज गुलाबजल बनना सीखो। हम आपको यहां पर एक आसान सा तरीका बता रहे है जिसकी सहायता से आप गुलाब जल तैयार कर सकती हैं।

आइये जानते हैं गुलाब जल बनाने का तरीका

- अच्छा होगा कि आप ताजी गुलाब की उन पंखुडियों का प्रयोग करें, जिन पर कीटनाशकों या रसायनों का छिड़काव न किया गया हो। अपने घर पर ही गुलाब उगाएं और उसका प्रयोग करें।
- सूरज उगने के दो या तीन घंटे के बाद ही गुलाब तोड़ लें।
- गुलाब की केवल पंखुडियों का प्रयोग करें न कि उसके तने और पत्तियों का।
- गुलाब को धोएं जिससे कीड़े और धूल साफ हो जाए और फिर उसे फिल्टर किये हुए पानी में डालें।
- पंखुडियों को पूरी तरह से पानी में डुबो दें और पानी को ढंक कर हल्की आंच पर चढ़ा दें।
- अब पानी को भाप बन कर उठने दें और धीरे धीरे उसे वैसे ही छोड़ दें।
- आप देखेंगी कि पंखुडियों का रंग उतर चुका है और पानी का रंग पंखुडियों का रंग ले चुका है। पंखुडियां पानी में तैरना शुरु हो जाएंगी।
- बचा हुआ पानी छान लें और उसे एक शीशी में डाल कर फ्रिज में रख दें।

आपकी नाभि में छुपा है
चेहरे की खूबसूरती का राज़

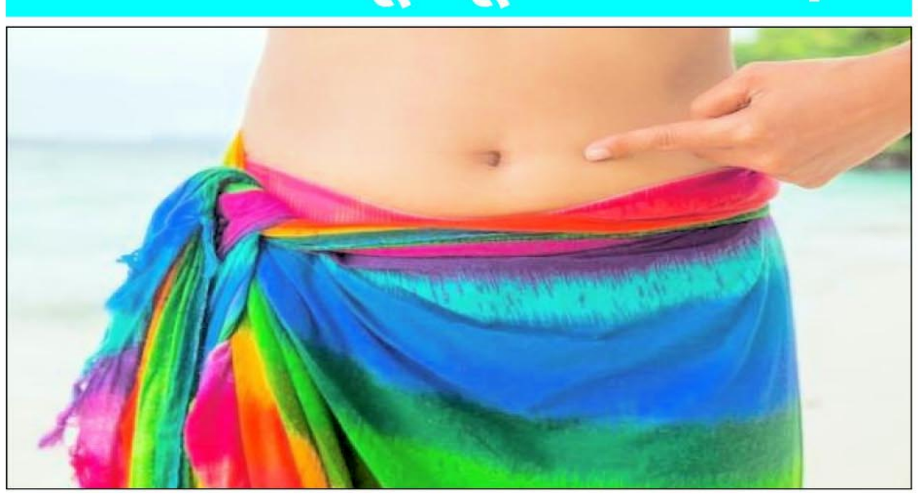

चेहरे की खूबसूरती और निखार बनाए रखने के लिए आप कॉस्मेटिक्स पर और पार्लर में जेब ढीली करती हैं। इससे जेब को चूना तो लगता ही है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इतना पैसा खर्च करने के बावजूद चेहरे पर निखार नहीं आता। अब जेब भी ढीली हुई..समय भी बेकार हुआ.. लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा। लेकिन क्या हो अगर पता चले कि बिना ज्यादा खर्च किए, समय गंवाए आप चेहरे की रंगत निखार सकती हैं। जी हां, आज हम आपको ऐसा ही एक नायाब फॉर्मूला बताएंगे जो बेहद आसान और असरदार है। क्या आप जानती हैं नाभि पर तेल की बूंदें लगाकर चेहरे पर निखार पाना संभव है। सुनकर अजीब लगेगा कि चेहरे का नाभि से क्या ताल्लुक? इस फॉर्मूले को हल्के में ना लें। हमारी नाभि का सीधा संबंध हमारे चेहरे से होता है। जिस तरह हम अपने चेहरे, हाथ-पैर पर ध्यान देते हैं, ठीक उसी तरह नाभि की भी देखभाल जरूरी है... क्योंकि नाभि पर ध्यान देकर आप अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। नाभि की देखभाल करने से आपको त्वचा से जुड़ी कई दिक्कतों से राहत मिल सकती है।

नाभि की देखभाल से आपको मिलेंगे ये ब्यूटी सीक्रेट्स

1. मुहांसों की समस्या से निपटने के लिए रात को सोने से पहले नाभि में नीम का तेल लगाएं।
2. चेहरे पर ग्लो के लिए रोज रात बादाम का तेल नाभि में लगाएं।
3. चेहरे पर पिंग्मेंटेशन की छुट्टी करने के लिए नींबू का तेल नाभि में लगाने से फायदा मिलेगा।
4. रुखी और बेजान त्वचा की परेशानी से निपटने के लिए नहाने से पहले नारियल तेल या ऑलिव ऑयल नाभि में लगाएं।
5. चेहरे पर व्हाइट स्पॉट्स मौजूद हैं तो नाभि पर नीम का तेल लगाना असरदारी होगा।
6. मुलायम त्वचा पाने के लिए नाभि पर देसी घी का इस्तेमाल करें।
7. फटे होंठों से छुटकारा पाने के लिए सरसों का तेल नाभि में लगाना लाभदायक होगा।
8. नाभि पर नारियल और जैतून का तेल हर रोज लगाने से प्रजनन शक्ति बढ़ती है।

रेसिपी

भांग पकौड़ा

सामग्री

250 ग्राम आलू, 150 ग्राम प्याज
200 ग्राम बेसन, 40 ग्राम भंग
1 टी स्पून जीरा, 1/2 टी स्पून अमचूर
1/4 टी स्पून अनार, 1 टी स्पून लाल मिर्च
1 टी स्पून नमक, 1 टेबल स्पून धनिया
200 मिलीलीटर पानी
चाट मसाला सजाने के लिए

विधि

एक बाउल में सारी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स करें। एक भारी कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें इस मिश्रण के पकौड़े सुनहरे ब्राउन होने तक तल लें। फिर इन्हें एक नैपकिन पेपर पर निकाल लें। चाट मसाला ऊपर से छिड़कें। गर्म-गर्म परोसें।

पनीर पॉपकोर्न

सामग्री

पनीर 200 ग्राम
नमक 1/2 टीस्पून
ओर्गेनो-1 टीस्पून
चिली फ्लेक्स 1 टीस्पून
घोल के लिए
मैदा 30 ग्राम
पानी 80 मि.ली
ब्रैड का चूरा, तेल

विधि

1. एक बाउल में पनीर,नमक,ओर्गेनो,चिली फ्लेक्स को डालकर इसे मिक्स कर लें।
2. अब दूसरा बाउल लें इसमें मैदा और पानी डालकर घोल तैयार कर लीजिए।
3. इसके बाद पनीर को मैदे के पेस्ट में डालकर निकाल लें और इसे ब्रैड के चूरे में लपेट लें।
4. एक कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें पनीर को तल लें।
5. इसे सॉस के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)